छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

www.cgfrontline.com

वर्ष - 06 अंक - 65 बैकुंठपुर, शुक्रवार 05 दिसंबर 2025 पृष्ठ -8 मूल्य -1

एमसीबी जिले में पीएमजीएसवाई से बदला विकास का भूगोल

जिले की पक्की सड़कों ने जोड़ा गांव-गांव, बढ़ी व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीणों में बड़ी नई उम्मीद

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। एमसीबी जिला अपनी पहाड़ी, वनाच्छादित और दूरस्थ भौगोलिक स्थितियों के कारण लंबे समय तक संपर्कहीनता की समस्या से जूझता रहा। कई गांव ऐसे थे जहां पहुंचना मौसम के भरोसे होता था। बरसात में सड़कें कट जाती थीं, लोग घरों में कैद हो जाते थे और रोगी, छात्र, किसान सभी कठिनाइयों का सामना करते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGYS) ने इस जिले का भूगोल ही बदल दिया। आज जिले के अधिकांश गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं और जहां कार्य शेष है, वहां निर्माण युद्धस्तर पर जारी है। यह सड़क जाल सिर्फ कंक्रीट या डामर का ढांचा नहीं है बल्कि यह गांवों की नई किस्मत है, ग्रामीण जीवन की धड़कन है और विकास का असली आधार है।

एमसीबी जिले की ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों, दुरूह घाटियों और गहरे जंगलों में बसे गांव वर्षों तक मुख्यधारा से दूर रहे। गांवों तक पहुँचने के लिए कभी पगडंडी, कभी नदी का उफान और कभी पहाड़ी रास्तों का सहारा लेना पड़ता था। पीएमजीएसवाई के तहत जब सड़कों का सर्वेक्षण शुरू हुआ, तो ग्रामीणों के बीच उम्मीद की एक नई किरण जागी। आज वही गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं। अब छोटे वाहनों से लेकर एम्बुलेंस और कृषि वाहन तक आराम से पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में भी आवागमन बाधित नहीं होता। स्कूल, अस्पताल, बाजार और तहसील सबकी दूरी कम हो गई है। यह बदलाव सिर्फ यात्रा में समय घटने का नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता बढ़ने का है। पहले किसान खेतों से उपज को बैलगाड़ी या अपने सिर पर उठाकर ले जाते थे। कई बार फसल मंडी तक पहुंचते-पहुंचते खराब भी हो जाती थी। नई सड़कों का प्रभाव कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी रहा । जिसमें ट्रैक्टर, पिकअप, मिनी ट्रक अब गांव तक पहुंच रहे हैं। धान, कोदो-कुटकी, मक्का, सब्जियां और लघु वनोपज आसानी से मंडी पहुंच रही हैं। परिवहन लागत कम होने से अब किसानों की बचत बढ़ी है। खरीदी समय पर होने से किसानों की आय में स्थायी वृद्धि हुई है। आज किसान गर्व से कहते हैं कि सड़क आई, तो बाजार भी हमारे गांव आ गया। पहले बीमार व्यक्ति को अस्पताल तक लाने में कई घंटे लग जाते थे। पहले एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती थी। पर अब स्थिति बदल चुकी है, और 108 एम्बुलेंस सीधे घर तक पहुंच रही है, गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित संस्थागत प्रसव सुनिश्चित हुआ, टीकाकरण, पोषण व स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी आई, गंभीर मरीजों को समय पर जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। सड़क निर्माण से अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और मोबाइल मेडिकल यूनिट की पहुँच आसान और सुविधाजनक हो गया है। पहले दूरस्थ गांवों के बच्चे बारिश में स्कूल नहीं जा पाते थे। कई बच्चे पहाड़ी रास्तों से डरकर पढ़ाई छोड़ देते थे। अब स्कूल वैन, बसें और ऑटो आसानी से पहुंचते हैं, अध्यापक समय पर स्कूल जा पा रहे हैं। छात्र उच्च शिक्षा के लिए कस्बों और शहरों तक आसानी से आ-जा रहे हैं, जिससे ड्रॉपआउट में कमी आया है । पीएमजीएसवाई निर्माण ने हजारों ग्रामीणों को रोजगार दिया। सड़क बनने से स्थानीय व्यवसाय, किराना, ढाबा, गैराज आदि, अब खुले परिवहन सेवाओं में वृद्धि हुई। जिससे निर्माण सामग्री की सप्लाई में स्थानीय लोगों को लाभ मिला । पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान हुई, जिससे स्थानीय गाइड और स्टे सुविधा बढ़ी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में यह एक स्थायी और मजबूत निवेश साबित हुआ है। जिले में सड़क निर्माण की निगरानी के लिए प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण, गुणवत्ता परीक्षण और समयबद्ध समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। मानक अनुसार रोड बेस, साइड ड्रेन और सीसी स्ट्रक्चर, पुल-पुलियों का मजबूत निर्माण, सड़क किनारे सुरक्षा चिन्ह व रिफ्लेक्टर, नागरिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान मिल रहा है । इन सभी प्रयासों से पीएमजीएसवाई सड़कों की गुणवत्ता लंबे समय तक टिकाऊ बनी रह रही है। एडिशनल पैकेजों के तहत कई नए मार्ग स्वीकृत हुए हैं, जिनका निर्माण जारी है। लक्ष्य यह है कि जिले का कोई भी गांव सड़क विहीन न रहे, आपदा और बरसात में भी आवागमन बाधित न हो, सभी ग्रामीण सेवाओं की पहुँच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो। एमसीबी जिले में सड़कें अब सिर्फ रास्ते नहीं रहीं बल्कि अब विकास, विश्वास और परिवर्तन की सशक्त पहचान बन चुकी हैं।

रेत कारोबार होगा अब और पारदर्शी

इलेक्ट्रॉनिक नीलामी से मिलेगी रेत माफिया पर रोक, राजस्व में होगी भारी बढ़ोतरी

- **खनिज विभाग की सख्त निगरानी, 2 रेत खदानों की ई-नीलामी पूर्ण,**
- **ग्राम पंचायतों और जनपदों को लाखों की राजस्व राशि का होगा वितरण**

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिले में रेत उत्खनन एवं परिवहन को पूरी तरह पारदर्शी और नियंत्रित करने के लिए खनिज विभाग ने एक बड़ा व महत्वपूर्ण कदम उठाया है। छत्तीसगढ़ शासन, खनिज साधन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के तहत कोरिया जिले की दो रेत खदानें चिरमी ए1 एवं गेजी ए2- को छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम 2025 के अनुसार घोषित कर इलेक्ट्रॉनिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से दिनांक 21 नवंबर 2025 को सफलतापूर्वक नीलाम कर दिया गया। खनिज विभाग का कहना है कि ई-नीलामी प्रक्रिया से भविष्य में रेत से होने वाला राजस्व बढ़ेगा, साथ ही रेत माफियाओं द्वारा अवैध परिवहन, उत्खनन और अवैध वसूली पर कड़ी रोक लगेगी।

खनिज विभाग ने स्पष्ट किया कि इलेक्ट्रॉनिक नीलामी से रेत कारोबार में पारदर्शिता आएगी और अवैध रेत उत्खनन व परिवहन की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाएगा। विभाग लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2020-21 में गौण खनिजों से प्राप्त राजस्व का 2025-26 में नियमों के अनुसार ग्राम पंचायतों व जनपद पंचायतों को संवितरण स्वीकृत किया गया है। इसके तहत खड़गवां विकास खण्ड के ग्राम पंचायत चिरमी को वित्तीय वर्ष 2020-21 में गौण खनिजों से 6 लाख 20 हजार रूपए वास्तविक राजस्व प्राप्त हुआ था , सम्बन्धित ग्राम पंचायत तथा जनपद पंचायत को 16 लाख 33 हजार 957 रूपए वितरित किया जाएगा। इसी तरह सोनहत विकासखंड के ग्राम तेलीमुड़ा वित्तीय वर्ष 2020-21 में गौण खनिजों से 2 लाख 35 हजार रूपए वास्तविक राजस्व हुआ था, सम्बन्धित ग्राम पंचायत तथा जनपद पंचायत को 6 लाख 19 हजार 313 रूपए वितरित किया जाएगा, वहीं बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम पिपरा को वित्तीय वर्ष 2020-21 में गौण खनिजों से 2 लाख 5 हजार रूपए वास्तविक राजस्व प्राप्त हुआ था, सम्बन्धित ग्राम पंचायत तथा जनपद पंचायत को 5 लाख 40 हजार 260 रूपए वितरित किया जाएगा। खनिज विभाग के अनुसार, रेत खदानों से प्राप्त राशि सीधे पंचायतों के विकास कार्यों में उपयोग की जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुलिया, पेयजल एवं सामुदायिक संसाधनों का विकास तेज़ होगा। खनिज विभाग ने दोहराया कि नीलामी नियमों के अनुसार ही की गई है और कोई भी निर्णय पूरी पारदर्शिता के साथ लिया गया है। भविष्य में भी रेत खनन से संबंधित प्रत्येक प्रक्रिया कानून एवं नियमों के अनुसार सुनिश्चित की जाएगी।

उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी सुचारू रूप से जारी, 2628 किसानों से खरीदी गई 167246 क्विंटल धान

छ.ग.फ्रंटलाइन जशपुरनगर। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सुचारू रूप से जारी है। 3 दिसंबर तक कुल 2,628 किसानों से 1,67,246 क्विंटल धान उपार्जित किया जा चुका है, जिसकी राशि 39.62 करोड़ रुपये से अधिक है। किसानों के बैंक खाते में राशि का हस्तांतरण सतत् रूप से भी की जा रही है। धान खरीदी का कार्य जिले के 46 उपार्जन केंद्रों में व्यवस्थित रूप से संपादित किया जा रहा है। किसानों की सुविधा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उपार्जन केंद्रों में टोकन प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्र, नमी मापक उपकरण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। किसान निर्धारित तिथि के अनुसार धान बेचने उपार्जन केंद्रों पर पहुंच रहे हैं।

विभिन्न कार्यक्रमों हेतु प्रभारियों की सूची जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। एमसीबी जिला भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष श्रीमती चंपादेवी पावले एवं आशीष सिंह जिला संयोजक आत्म निर्भर भारत संकल्प अभियान की अनुशंसा से आत्म निर्भर भारत हर घर स्वदेशी घर- घर स्वदेशी संकल्प अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के प्रभारियों की सूची जारी की गई है। जारी सूची में विद्यालय एवं

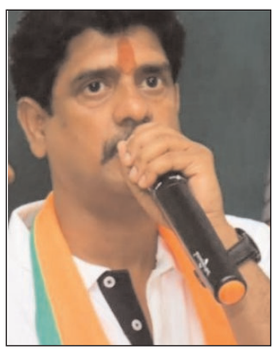

शिक्षण संस्थान हेतु प्रभारी विवेक अग्रवाल, स्थानीय निकाय एवं सरकारी प्रतिष्ठान

(बिना कमल चिन्ह के) हेतु प्रभारी देवनारायण सिंह, बस स्टैंड में स्टाल हेतु प्रभारी श्रीमती प्रवीण सिंह, अन्य सार्वजनिक स्थानों पर गतिविधियां हेतु प्रभारी अरविंद अग्रवाल, प्रबुद्धजन एवं विशिष्टजन में कार्यक्रम हेतु प्रभारी रामचरित द्विवेदी, सामाजिक प्रतिष्ठानों में कार्यक्रम हेतु प्रभारी जमुना पाण्डेय, आगामी मन की बात के उपरांत सभी बूथों में आयोजन हेतु प्रभारी आनंद ताम्रकार, पदयात्रा एवं घर-घर सम्पर्क का व्यापक अभियान हेतु प्रभारी श्रीमती मीनू पटेल बनाए गए हैं।

जिले की सभी उपार्जन केन्द्रों से 14969.20 क्विंटल हुई धान खरीदी

मुख्यमंत्री के ऐतिहासिक निर्णय से किसानों में प्रसन्नता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिला संबल

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ सरकार के ऐतिहासिक निर्णय ने किसानों को वह सम्मान और भरोसा दिया है जिसकी प्रतीक्षा वे वर्षों से कर रहे थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी और 3100 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य ने कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा, विश्वास और आर्थिक मजबूती प्रदान की है।

इस पारदर्शी खरीदी व्यवस्था से किसानों की आय में बढ़ोतरी हुई है, ग्रामीण बाजारों में रौनक बढ़ी है, कृषि उपकरणों की खरीद में तेजी आई है, पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुगम हुई है और किसान आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा होने से पारदर्शिता और त्वरित आर्थिक लाभ सुनिश्चित हुआ है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सभी 25 उपार्जन केंद्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार धान खरीदी प्रक्रिया आज बेहद सुचारू और सफल रही। कुल 310 टोकन दर्ज किए गए, जिनमें से 255 समिति द्वारा तथा 55 टोकन ऐप के माध्यम से जारी किए गए। कुल 14969.20 क्विंटल धान की खरीदी की गई, जिसमें, समिति द्वारा खरीदी - 12074.40 क्विंटल, टोकन ऐप से खरीदी - 2894.80 क्विंटल, उपार्जन केन्द्रवार खरीदी का विवरण, कछौड़ - 5 टोकन - 261.20 क्विंटल, कमर्जी - 8 टोकन - 384.00 क्विंटल, केल्हारी - 18 टोकन - 1069.60 क्विंटल, कोटाडोल - 13 टोकन - 357.20 क्विंटल 845.20 क्विंटल, घुटरा -10 टोकन - 432.80 क्विंटल, कठौतिया - 9 टोकन - 434.00 क्विंटल, चैनपुर - 16 टोकन - 612.40 क्विंटल, बंजी - 9 टोकन - 516.40 क्विंटल, जनकपुर - 12 टोकन - 905.40 क्विंटल, बहरासी - 9 टोकन - 406.00 क्विंटल, डोड़की - 15 टोकन - 743.60 क्विंटल, नागपुर - 10 टोकन - 441.80 क्विंटल, बरबसपुर - 14 टोकन - 569.60 क्विंटल, माड़ीसरई - 21 टोकन - 919.20 क्विंटल, सिंगरौली - 21 टोकन - 962.60 क्विंटल खरीदी हुआ।

कृषि नीति से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में स्थायी परिवर्तन

जिले में किसानों की धान उपज का नियोजित, पारदर्शी और समर्थन मूल्य पर खरीदा जाना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि राज्य सरकार की कृषि नीतियाँ पूरी मजबूती के साथ जमीनी स्तर पर परिणाम दे रही हैं। खरीदी प्रक्रिया की दक्षता, समयबद्ध भुगतान, टोकन प्रणाली की विश्वसनीयता और प्रशासन की सक्रियता ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन लाया है। रांपा - 7 टोकन - 225.60 क्विंटल, कटकोना - 12 टोकन - 610.40 क्विंटल, कोड़ा -17 टोकन - 947.60 क्विंटल कौड़ीमार - 16 टोकन - 752.00 क्विंटल, खड़गवां - 16 टोकन - 791.40 क्विंटल, बरदर - 12 टोकन - 596.80 क्विंटल, रतनपुर - 9 टोकन - 451.20 क्विंटल, सिंगहत - 4 टोकन - 245.20 क्विंटल, कंजिया - 10 टोकन - 488.00 क्विंटल, कुवांरपुर - 17 टोकन -

दिव्यांगजनों को वितरित किए गए मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, बैसाखी, व्हीलचेयर, एम.आर किट, सहित श्रवण यंत्र

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में विगत दिवस 3 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का आयोजन शासकीय स्वामी आत्मानन्द हिन्दी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जशपुर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत कार्यक्रम में शामिल हुई। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस में शासकीय दृष्टि बाधितार्थ बालक व बालिका विशेष विद्यालय एवं समर्थ आवासीय दिव्यांग प्रशिक्षण केन्द्र जशपुर के साथ-साथ जिला शिक्षा अधिकारी के अधीन विभिन्न स्कूलों के कुल 250 दिव्यांग बच्चे एवं सहायक उपकरण वितरण हेतु 60 हितग्राही सहित कुल 310 दिव्यांगजन सम्मिलित हुए।

दिव्यांग बच्चों द्वारा स्वागत गीत से शुरुवात कर एकल गायन, अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के संबंध में कविता, भाषण एवं सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। दिव्यांग बच्चों को कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, मटका फोड़, व्हीलचेयर दौड, लम्बी कुद मिश्रित मौतीयों को अलग करना इत्यादि खेल कुद कराया गया। खेल आयोजन में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर समावोशी समाज का संदेश दिया गया। समस्त दिव्यांगजनों को शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विधायक ने उपकरण पाने वाले दिव्यांगजनो से पूर्व में हो रही परेशानियों के संबंध में चर्चा किया गया एवं स्वयं द्वारा व्हाईट केन चलाकर देखा गया। विधायक श्रीमती भगत ने अपने उद्बोधन में कहा गया कि दिव्यांगों के प्रतिभा को देख कर आत्मविभोर एवं अभिभूत हो गई हूँ। इस दौरान करमा गीत एवं ठेठ नागपुरी बोली व भाषा में गीत गा कर सुनाया गया। जिसमें दृष्टिबाधित दिव्यांगजन द्वारा ढोलक बजाकर संगीत दिया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में दिव्यांगजनों से समाज के सभी लोगों को आत्मीय व्यवहार करने पर जोर दिया एवं हर संभव मदद करने के लिए महेशा तैयार रहने का संदेश दिया गया। समाज कल्याण के उप संचालक श्री धर्मेन्द्र कुमार साहू ने विभाग के अधिनियम, नियम, योजना, कार्यक्रम एवं संस्थागत सुविधाओं के संबंध में बताया गया। अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया और कार्यक्रम समाप्ति की गई।

बरबसपुर विद्यालय में विवाह आयोजन कराने पर प्रधान पाठक को सौंपा गया कारण बताओ नोटिस

एमसीबी। शा. प्रा. शा.बरबसपुर, संकुल बरबसपुर में विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाने के मामले पर जिला शिक्षा अधिकारी ने गंभीरता दिखाते हुए प्रधान पाठक रधुनाथ प्रसाद को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मीडिया में प्रकाशित खबर के अनुसार 26 नवम्बर 2025, गुरुवार को विद्यालय परिसर में विवाह समारोह आयोजित किया गया, जिसके बाद प्रांगण में भारी मात्रा में कचरा और डिस्पोज़ल सामग्री फैली हुई मिली तथा सफाई की जिम्मेदारी आयोजनकर्ता विफल रहा। इस पूरे आयोजन की अनुमति किस अधिकारी से प्राप्त की गई या प्रधान पाठक द्वारा स्वयं स्वीकृति दी गई। डीईओ ने दो दिवस के भीतर कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जवाब प्रस्तुत न करने अथवा जवाब संतोषजनक न पाए जाने की स्थिति में प्रधान पाठक के विरुद्ध विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

खरीदी केन्द्र में अच्छी व्यवस्था देखकर खुशी जाहिर की मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में धान खरीदी कार्य सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संचालित हो रहा है। इसी क्रम में जशपुर जिले के समस्त धान खरीदी केंद्रों में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। जशपुर विकासखंड के दिनेश सिंह गम्हरिया धान खरीदी केन्द्र अपना धान बेचने पहुंचे उन्होंने कहा कि उन्हें टोकन कटाने में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आई अपना 172 बोरी धान आसानी से

बेचा किसान ने अच्छी सुविधा के लिए मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद और संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हम किसानों के हित में खरीदी केंद्रों में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से हमें सीधा आर्थिक लाभ मिल रहा है और हमारी मेहनत का उचित मूल्य मिल रहा है। धान खरीदी केंद्रों में शासन के निर्देशानुसार वजन, मापक, बोरा, तराजू बाट, बारदाने की उपलब्धता, सहित सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा संपूर्ण खरीदी प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो सके।

ग्राम मुकुन्दपुर में राजस्व सर्वेक्षण के अभिलेख जारी, 15 दिवस के भीतर दावा-आपत्ति आमंत्रित

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले में असर्वेक्षित ग्रामों के राजस्व सर्वेक्षण का कार्य तीव्र गति से जारी है। असर्वेक्षित ग्रामों का राजस्व सर्वेक्षण प्रक्रियाधीन है। इसी क्रम में ग्राम मुकुन्दपुर (पं.ह.क्र. 02), राजस्व निरीक्षक मंडल व तहसील चिरमिरी जिला एमसीबी (छ.ग.) में वन से राजस्व ग्राम घोषित है, का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कार्य एजेंसी आई.टी.आई रूढ़की द्वारा अंतिम प्रकाशन हेतु तहसील चिरमिरी अंतर्गत ग्राम मुकुंदपुर के 01 नक्शा शीट उपलब्ध कराया गया है। संबंधित नक्शा शीटों का भौतिक सत्यापन राजस्व सर्वेक्षण दल द्वारा कराया जाकर नक्शा व खसरा तैयार किया गया। हल्का पटवारी द्वारा तैयार राजस्व अभिलेख खसरा व नक्शा भू-धारकों के अवलोकन हेतु संबंधित पंचायत भवन में कार्यालयीन अवधि में उपलब्ध रहेगा। उक्त संबंध में हल्का पटवारी द्वारा तैयार किये गये नक्शा शीटों एवं खसरों पर जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से आगामी 15 दिवस के भीतर लिखित/भौतिक आवेदन कार्यालयीन समय में स्वयं या अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति संबंधित ग्राम पंचायत भवन में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय अवधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। राजस्व विभाग ने सूचित किया है कि जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था या हितधारक को तैयार नक्शा या खसरा अभिलेखों पर दावा, आपत्ति या सुझाव प्रस्तुत करना हो, वे प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर अपना आवेदन लिखित रूप में या भौतिक स्वरूप में, स्वयं उपस्थित होकर अथवा अभिभाषक के माध्यम से पंचायत भवन में जमा कर सकते हैं।

इंटर एरिया फुटबॉल टूर्नामेंट हेतु बिश्रामपुर क्षेत्र के 16 खिलाड़ी चयनित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर द्वारा जारी वार्षिक स्पोर्ट्स कैलेंडर 2025-26 के अनुसार इस वर्ष का इंटर एरिया फुटबॉल टूर्नामेंट 6 दिसंबर से 10 दिसंबर तक चिरमिरी क्षेत्र के कुरसिया सब एरिया स्थित डोमनहिल ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट में बिश्रामपुर क्षेत्र की टीम ने खिलाड़ियों का चयन कर लिया है, जिसकी आधिकारिक सूची कार्यालय आदेश के रूप में जारी की गई है। ज्ञात हो कि इस बार बिश्रामपुर क्षेत्र से 16 खिलाड़ियों और एक कोच को प्रतिनिधित्व का मौका मिला है। इनमें खदानों से लेकर सर्वे, पंपिंग और मैकेनिकल विभाग तक विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारी शामिल हैं। टीम की कमान जखरियाश टोप्पो को कप्तान के रूप में सौंपी गई है, जबकि टीम के कोच की जिम्मेदारी राम बिहारी राम निभाएंगे। चयनित खिलाड़ियों में क्रमशः मनीलाल माइनिंग सरदार रेहर यूजी, गोविंद भगत माइनिंग सरदार बलरामपुर 10/12, सूरज कुमार जनरल असिस्टेंट गायत्री यूजी, भोला राम एसडीएल/एलएचडी हेल्पर, प्रदीप कुमार सर्वे मजदूर, राहुल, भुवन सिंह, सुरेश कुमार जनरल असिस्टेंट, पतरस सर्वे मज़दूर, दाऊ सिंह फोरमैन ऑक्ज, सतीश कुमार बारा ओवरमैन, पंकज सोरेन माइनिंग सरदार, सदारण पंप ऑपरेटर व अमन कुमार चुरेन्द्र असिस्टेंट मैनेजर माइनिंग को चयनित किया गया है। खिलाड़ियों को 1 से 5 दिसंबर तक फुटबॉल अभ्यास हेतु कार्यमुक्त किया गया है। वहीं 6 से 10 दिसंबर तक चिरमिरी स्थित कुरसिया सब एरिया में आयोजित होने वाले इंटर एरिया फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति दी गई है।

बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन व गुड शेड अब तीसरी आंख की जद में

करोड़ों के निर्माण व विकास कार्य से स्टेशन व गुड शेड परिसर हो रहा अपग्रेड

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सरगुजा संभाग के इकलौते रेलवे गुड शेड बिश्रामपुर को अपग्रेड करने का कार्य पिछले छह माह से पूरी रफ्तार के साथ चल रहा है। लदान में फोकस और माल भाडा राजस्व बढ़ाने रेलवे लगातार प्रयास कर रही है। इसके लिए उपभोक्ताओं को सुविधा देने रेलवे नित्य नए प्रयास कर रहा है ताकि अधिक से अधिक व्यवसाई रेल से जुड़े ताकि राजस्व में बढ़ोतरी हो। इसी क्रम में बिश्रामपुर में छह दशक से भी पुराना रेलवे रैक प्वाइंट्स जो आजादी के बाद से अब तक पूरी तरह उपेक्षित पड़ा था, यहां करीब बारह करोड़ रुपए की लागत से रेलवे रैक प्वाइंट प्लेटफार्म की पिचिंग सहित अप्रोच सड़क का निर्माण, विल्ड स्क्रीन की स्थापना का कार्य जोरो से चल रहा है। ज्ञात हो कि संभाग का इकलौता गुड शेड रैक प्वाइंट बिश्रामपुर में स्थित है। जहां एफसीआई, वेयर हाउस, मार्कफेड फेडरेशन के खाद्यान्न चावल, गेहूं, चीनी, नमक, उर्वरक सहित निजी पार्टियों के सीमेंट, वारदाना सहित अन्य समानों को रैक के जरिए मंगाया और मांग के अनुरूप दूसरे प्रांतों में भेजा जाता है। महीने में पच्चीस से तीस रैक यहां लगती है।हर माह आठ से दस करोड़ रुपए का राजस्व देने वाला बिश्रामपुर गुड शेड अब तक उपेक्षित था, लेकिन अब सरकार का ध्यान स्टेशनों को विकसित करने में आय के संसाधनों को बढ़ाने के अमृत भारत स्टेशन अभियान में बिश्रामपुर गुड शेड को अपग्रेड करने बारह करोड़ रुपए के लागत से कार्य जारी है। इसी क्रम में बिश्रामपुर स्टेशन और गुड शेड परिसर को सीसीटीवी से लैस किया जा रहा है। सीसीटीवी की स्थापना का कार्य जारी है।

सीसीटीवी से पूरा स्टेशन प्लेटफार्म सहित स्टेशन का पूरा एरिया सीसीटीवी कैमरे की जद में आ गया है। सीसीटीवी कैमरा गुड शेड परिसर में भी लगाया जा रहा है, जिससे माल डंप व परिवहन सहित सभी कुछ अब तीसरी आंख की निगरानी में होगा। अब तक रैक के समय पर खाली होने और प्लेटफार्म की मौजूदा स्थिति सब मैनुअली संचालित होती थी, जिसमें डैमरेज, वार्फेज में माल बाबुओं द्वारा पार्टियों से मिलकर रेल को क्षति पहुंचाते थे लेकिन अब यह सब कुछ आनलाइन होगा जिसकी मॉनिटरिंग खुद कंट्रोल बिलासपुर करेगा। सीसीटीवी कैमरा स्थापना का कार्य स्टेशन प्लेटफार्म सहित स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में होने से रेल परिसर में होने वाले अपराध काफी हद तक थमेंगे। स्टेशन के बाहर हाई क्वालिटी की सीसीटीवी कैमरे की स्थापना की गई है, जो करीब दो सौ मीटर का एरिया अपनी चारों ओर कवर करेगा, जिससे स्टेशन का पूरा क्षेत्र अब सुरक्षित हो गया है।

दो माह का लिया ब्लॉक

रेलवे रैक प्वाइंट में पिचिंग कार्य सहित अप्रोच सड़क निर्माण के लिए वर्तमान गुड शेड रैक प्वाइंट में दो माह का ब्लॉक लिया गया है जहां पिचिंग का कार्य आरंभ कर दिया गया है। वर्तमान में रैक प्वाइंट को स्टेशन के सामने दूसरी क्षोर में शिफ्ट किया गया है। स्टेशन के सामने चार नंबर लाइन में रैक प्लेस का कार्य दो दिन से आरंभ भी कर दिया गया है। ज्ञात हो कि छह दशक से अधिक पुरानी रेलवे रैक प्वाइंट में अब तक पक्की एप्रोच सड़क तक नहीं थी, जिससे वाहनों के आवाजाही से उड़ने वाली धूल से आसपास के लोग परेशान रहते थे। इसके अतिरिक्त कच्ची प्लेटफार्म में माल उतारने चढ़ाने में बारिश के दिन में असुविधा होती थी। साथ ही गुड्स क्लर्क, हमालों के लिए रेस्ट रुम का अब तक अभाव था, जो अब सभी आवश्यकताएं एक साथ पूरी होने जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने माल लदान में चालू वित्त वर्ष में अब तक बीस हजार करोड़ रुपए का प्रारंभिक माल भाडा राजस्व सबसे कम समय अर्जित कर नया रिकॉर्ड बनाया है, जो गत वर्ष के मुकाबले तेरह दिन पहले और भारतीय रेलवे सबसे अधिक प्रारंभिक माल भाडा राजस्व देने वाला जोन बना है। जो पूरे देश के रेलवे में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का प्रारंभिक माल भाड़ा राजस्व में 17.56 प्रतिशत योगदान है।

नाली निर्माण कार्य पर रोक लगाने ग्रामीणों ने दिया ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जनपद पंचायत सूरजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सतपता के हरिजनपारा में प्रस्तावित 200 मीटर नाली निर्माण को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि स्वीकृत 3.94 लाख रुपए की लागत से बनने वाली यह नाली सीधे निजी भूमि की ओर मोड़ी जा रही है, जबकि पूर्व में तय हुआ था कि नई नाली को पुरानी नाली से जोड़ा जाएगा ताकि पानी की निकासी सहजता से हो सके।ग्रामीणों ने इस संबंध में सूरजपुर जनपद सीईओ को एक लिखित आवेदन सौंपा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि नाली निर्माण कार्य ग्राम पंचायत द्वारा जेसीबी मशीन से शुरू कर दिया गया है। नाली का यह प्रस्तावित मार्ग प्रारंभ से ही विवादित रहा है और निजी भूमि पर सार्वजनिक नाली निकालना न केवल गलत है, बल्कि क्षेत्र में तनाव की स्थिति भी पैदा कर सकता है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि जनपद पंचायत क्रियान्वयन एजेन्सी होने के बावजूद पूर्व सहमति को दरकिनार कर नाली को निजी संपत्ति की ओर मोड़ दिया गया है। यदि नाली का मार्ग इस तरह बदला गया तो भविष्य में विवाद बढ़ते देर नहीं लगेगी। ग्रामीणों ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी से नाली निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाली का निर्माण विकास का कार्य है, लेकिन यह तभी स्वीकार्य है जब इससे किसी की निजी संपत्ति को नुकसान न हो। ग्रामीणों की मांग है कि नाली का मार्ग पुरानी नाली से जोड़कर ही निर्माण किया जाए, जैसा पहले प्रस्तावित था। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से राजेंद्र प्रसाद रवि, राजेंद्र उभार, रामकुमार, अविनाश रवि व अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

सड़क मरम्मत में ठेकेदार द्वारा बरती जा रही लापरवाही, जिपं सदस्य ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर सिलफिली से काली घाट तक पेच रिपेयरिंग का कार्य घटिया गुणवत्ता से होने का आरोप लगाते हुए जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव ने आज कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कार्यवाही की मांग की है।

जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में उल्लेख किया है कि ग्रामीणों की सूचना पर मौके का निरीक्षण किया तो पाया कि मरम्मत में प्रयुक्त सामग्री निम्न कोटि की है। नियमों का उल्लंघन करते हुए रात्रिकाल में कार्य किया जा रहा है, जिससे काम की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। सड़क पर गड्ढे भी नहीं भरे जा रहे हैं, जिससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव ने बताया कि ठेकेदार द्वारा कार्य सही ढंग से न करने पर हम ग्रामीणों के साथ मिलकर सड़क जाम करेंगे। उन्होंने उच्च अधिकारियों से ठेकेदार को नियमानुसार कार्य कराए जाने हेतु निर्देशित करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि बदहाल सड़क से क्षेत्रवासी लंबे समय से परेशान हैं और अब ठेकेदार की मनमानी व अमानक स्तर के कार्य से लोगों में नाराजगी व्याप्त है।

मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के तहत 157 लाख से अधिक के विकास कार्यों का भूमि पूजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े गुरुवार को मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में आयोजित विकास कार्यों के भूमि पूजन कार्यक्रमों में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु स्वीकृत कुल 157.34 लाख रुपए की लागत वाले निर्माण कार्यों की नींव रखी। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ग्राम पंचायत कसकेला में 26.05 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क और नाली निर्माण, ग्राम पंचायत सिलफिली में 76.74 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण,

ग्राम पंचायत गणेशपुर में 37.48 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क एवं नाली निर्माण तथा ग्राम पंचायत करमपुर में 17.07 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को नई गति देने वाली एक महत्वपूर्ण योजना है। इसके माध्यम से सड़क, नाली और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है, जिससे न केवल आवागमन में सुगमता आएगी बल्कि गांवों में स्वच्छता और जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनहित के विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए निरंतर आगे बढ़ रही है तथा प्रत्येक ग्राम को बेहतर सुविधाओं से सशक्त बनाने का लक्ष्य जल्द पूरा किया जाएगा।

ज्ञानोदय श्रवणबाधित विद्यालय में मनाई गई दिव्यांगजन दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ज्ञानोदय श्रवणबाधित विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष विजयराज अग्रवाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का उद्देश्य समाज में दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना, जागरूकता बढ़ाना तथा उनकी गरिमा और अधिकारों के संरक्षण हेतु वातावरण तैयार करना है। उन्होंने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 का उल्लेख करते हुए बताया कि यह अधिनियम दिव्यांगजन को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं शोषण-मुक्त जीवन की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि संस्था सदैव दिव्यांगजनों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध रही है और आगे भी इसी संकल्प के साथ कार्य करेगी। कार्यक्रम में श्रवणबाधित बच्चों के लिए दो आयु वर्ग में 100 मीटर दौड़, रस्साकशी तथा बालिकाओं द्वारा आकर्षक आदिवासी लोकनृत्य एवं बालकों द्वारा पंजाबी नृत्य प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के शिक्षकों, अभिभावकों के अलावा दिव्यांग बच्चे उपस्थित रहे।

इसके अलावा विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सूरजपुर में आयोजित राज्यस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस कार्यक्रम में भी भाग लेकर आकर्षक सांस्कृतिक समूह नृत्य प्रस्तुत किया। बच्चों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प सामग्री का प्रदर्शन स्टॉल भी लगाया गया।

मंत्री ने बतरा धान खरीदी केंद्र में करता हैंडपंप खनन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। धान उपार्जन केंद्र बतरा में किसानों को होने वाली पेयजल संकट की खबर प्रमुखता के साथ प्रकाशित किए जाने पर क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किसानों के हित में तत्काल हैडपंप खनन कार्य कराकर पेयजल समस्या से निजात दिला दी है। गौरतलब है कि धान खरीदी केंद्र बतरा में किसानों व स्थानीय कर्मचारियों को लंबे से समय से पेयजल संकट की स्थिति से गुजरना पड़ रहा था। इसी तारतम्य में पिछले दिनों जनपद सदस्य कान्ती देवी सिंह मार्को, सरपंच मंजू महेश पैकरा सुदामानगर, सरपंच भगवती शिवशरण पैकरा करसू सरपंच, बसंत सिंह राजकिशोरनगर सरपंच, छोटेलाल सिंह पैकरा सोनपुर सु, भाजपा नेता महेन्द्र सिंह मार्को ने उपार्जन केन्द्र में पेयजल व्यस्था हेतु पत्र मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को सौंपा था।

जिसका छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन द्वारा प्रमुखता के साथ समाचार प्रकाशित किया गया था। इसी तारतम्य में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किसानों व आमजन की सुविधा के मद्देनजर हैडपंप खनन कार्य करा दिया गया है। जिससे अब स्थानीय लोगों को पेयजल संकट की स्थिति से राहत मिल गई है। ज्ञात हो कि धान खरीदी केन्द्र बतरा में 17 ग्राम पंचायत के किसान अपना धान विक्रय करते हैं।

जिला पंचायत सीईओ ने पण्डरी एवं सरना ग्राम पंचायत का किया निरीक्षण

★ विकास कार्यों एवं योजनाओं के प्रगति का लिया जायजा ★ आवास पूर्ण करने हितग्राहियों को किया प्रेरित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के द्वारा विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं के प्रगति का जायजा लिया गया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की स्थिति, गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया।

जिला पंचायत सीईओ ग्राम पंचायत पण्डरी पहुंची जहां उन्होंने विभिन्न पुल पुलिया निर्माण कार्य का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने आवास निरीक्षण के दौरान हितग्राहियों से भी चर्चा करते हुए आवास पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सचिव और सरपंचों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक अधूरे आवासों का निरंतर मॉनिटरिंग करते हुए शीघ्र पूर्ण कराएं।

ग्राम पंचायत सरना में लगाई गई आवास चौपाल

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर के द्वारा ग्राम पंचायत सरना में आवास चौपाल लगाया गया। जिसमें बड़ी संख्या में आवास हितग्राही शामिल हुए। उन्होंने हितग्राहियों से चर्चा कर आवास निर्माण में आ रही समस्याओं के बारे पूछा और हितग्राहियों को रूची लेते हुए अपने आवास को पूरा करने प्रेरित भी किया। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे इसके लिए शासन-प्रशासन प्रतिबद्ध है।

प्रशासन की सतत निगरानी से 429 बोरी अवैध धान जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में अवैध धान परिवहन पर प्रभावी रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिसके अंतर्गत रामचन्द्रपुर में 62 बोरी एवं विकासखण्ड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम जमुआटांड में 367 बोरी अवैध धान जब्त किया गया।

झारखण्ड से लाया जा रहा था अवैध धान

दो किलोमीटर पीछा कर 1 पिकअप सहित 62 बोरी अवैध धान जब्त

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री आनंद राम नेताम के मार्गदर्शन में रामचंद्रपुर में झारखंड से अवैध रूप से धान ला रही एक पिकअप वाहन को लगभग 2 किलोमीटर पीछा कर प्रशासनिक दल ने पकड़ लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामचंद्रपुर के समीप एक पिकअप वाहन को रुकने का संकेत दिया गया, किंतु चालक वाहन को तेज गति से भगाकर फरार होने का प्रयास करने लगा। जिस पर राजस्व एवं पुलिस टीम के द्वारा लगभग 2 किलोमीटर की भाग दौड़ के के बाद 1 पिकअप वाहन जिसमें 62 बोरी अवैध धान लोड था को जब्त किया है और तत्काल रामचंद्रपुर थाना में सुपर्द कर दिया गया।

ग्राम जमुआटांड में 367 बोरी अवैध धान जब्त

विकासखण्ड बलरामपुर अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी श्री अभिषेक गुप्ता के नेतृत्व में संयुक्त टीम के द्वारा ग्राम जमुआटांड निवासी रामप्रवेश के घर में 167 बोरी तथा जेपी गुप्ता के गोदाम से 200 बोरी अवैध धान जब्त किया गया। जिला प्रशासन के द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को सुरक्षित और पारदर्शी बनाए रखने के लिए अवैध भंडारण एवं परिवहन के पर सतत निगरानी रखते हुए कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने किसानों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वाहन या परिवहन, भण्डारण की सूचना तुरंत दें जिसमें जानकारी देने वाले की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

किसान रामेश्वर ने जताई खरीदी व्यवस्था पर संतुष्टि

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिले में धान उपार्जन केन्द्रों पर किसानों को दी जा रही सुविधाओं से धान विक्रय प्रक्रिया पहले से अधिक सुगम, सरल और आसान हो गई है। लुण्ड्रा ब्लॉक के अंतर्गत किशुनपुर ग्राम पंचायत के किसान रामेश्वर प्रसाद ने धौरपुर धान उपार्जन केंद्र में धान विक्रय का अनुभव साझा करते हुए इसकी सराहना की है। किसान ने बताया कि वे 240 बोरी धान लेकर धौरपुर उपार्जन केन्द्र पहुंचे थे। उन्होंने समिति से पहला टोकन 104 क्विंटल का कटवाया। टोकन कटाने में उन्हें किसी प्रकार की समस्या नहीं हुई। उन्होंने बताया कि 8 एकड़ करीब

जमीन है, कुल 210 क्विंटल धान का विक्रय करते हैं, उन्होंने बताया कि धौरपुर धान उपार्जन केन्द्र पहुचते ही नमी परीक्षण और प्रारंभिक प्रक्रिया के बाद बारदाना उपलब्ध हुए। धान की तौल प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई, उन्होंने धान खरीदी व्यवस्था पर अपनी संतुष्ट व्यक्त की। किसान ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के शासन में किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान का सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है। इससे प्रदेश के किसान आर्थिक रूप से और अधिक सक्षम और समृद्ध हो रहे हैं। उन्होंने पूरी धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी व किसान-हितैषी बताते हुए मुख्यमंत्री एवं शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। छत्तीसगढ़ शासन के निदेर्शानुसार जिले के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधा, समय पर बारदाना उपलब्धता, पारदर्शी तौल एवं समस्याओं के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की बाधा या परेशानी नहीं आ रही है।

आईजीकेवी के वैज्ञानिकों द्वारा आदिवासी उपयोजना अंतर्गत अरहर फसल के प्रदर्शन का निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं निदेशक, विस्तार सेवाएं डॉ. एस. एस. टुटेजा के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र, सरगुजा द्वारा आदिवासी उपयोजना अंतर्गत 30 एकड़ क्षेत्र में किसानों के खेतों पर स्थापित अरहर फसल प्रदर्शन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र डॉ. संदीप शर्मा ने केवीके की गतिविधियों एवं प्रक्षेत्र प्रदर्शनों की जानकारी दी। विश्वविद्यालय से आए वैज्ञानिक दल में डॉ. मयुरी साहू (प्रभारी, टीएसपी) एवं डॉ. नियति पांडेय शामिल रहीं। डॉ. मयुरी साहू ने किसानों को अरहर की उन्नत किस्मों, उनके गुणधर्मों तथा अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु वैज्ञानिक पद्धतियों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. नियति पांडेय द्वारा अरहर फसल में लगने वाले प्रमुख कीटों की पहचान एवं उनके प्रबंधन संबंधी तकनीकी जानकारी किसानों को प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों ने उपस्थित किसानों से कृषि संबंधी चर्चा की तथा रबी फसल की तैयारी के विषय में भी सलाह दी। अरहर फसल प्रदर्शन हेतु किसानों को बीज, खरपतवार नाशी एवं कीट प्रबंधन हेतु आवश्यक दवाइयाँ पूर्व में उपलब्ध कराई गई थीं। निरीक्षण कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं तकनीकी टीम उपस्थित रहे।

जिला पंचायत के सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा की बैठक सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिला पंचायत के सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा की बैठक बुधवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। सामान्य प्रशासन समिति की बैठक में जिला पंचायत के आय-व्यय का अनुमोदन लिया गया एवं अन्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। इसी प्रकार सामान्य सभा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा के दौरान जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर सतत पेयजल आपूर्ति हेतु निर्देशित किया गया है। बैठक में सदस्यों द्वारा जिले में छात्रावासों की जर्जर में स्थिति तथा एकल शिक्षकीय विद्यालयों में शिक्षक व्यवस्था की मांग की गई।

सीईओ जिला पंचायत द्वारा अवगत कराया गया की छात्रावास मरम्मत हेतु आदिम जाति कल्याण विभाग में आबंटन उपलब्ध है। उन्होंने सभी सदस्यों को जर्जर छात्रावासों की सूची सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को उपलब्ध कराने कहा, ताकि स्वीकृति की कार्यवाही की जा सके। इस दौरान शिक्षा विभाग को एकल शिक्षकीय विद्यालय में शिक्षक व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उप संचालक कृषि विभाग को निर्देशित किया गया कि रबी फसल हेतु किसानों को समय पर खाद बीज उपलब्ध कराया जाए तथा खाद्य विभाग से समन्वय स्थापित कर धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू रूप से सम्पादित किया जाए। इस दौरान जिला खनिज अधिकारी ने कहा कि बालू ढुलाई करने वाले वाहन, जिसके पास शासकीय निर्माण कार्यों हेतु परिवहन के लिये कोई भी प्रमाणित अभिलेख दिखाये जाने पर वाहन को नहीं रोका जाएगा।

गुरुकुल महाविद्यालय में मना विश्व एड्स दिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। गुरुकुल महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस मनाया गया। इस अवसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पत्थलगांव के डॉ आशीष भगत, विजय कुमार, पूनम मिश्रा, सुश्री रजनी धुर्वे आदि के द्वारा क्रमशः एड्स रोग से बचाव एवं लक्षण के विषय में गंभीरता पूर्वक अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए गए। इस क्रम में सर्वप्रथम डॉ आशीष भगत द्वारा एड्स लक्षण रोकथाम उपाय आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। तत्पश्चात विजय कुमार एआरटी सेंटर, एनएसीसीओ, डब्ल्यूएचओ जैसी कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बारे में विस्तार से बताते हुए यह बताया गया की संस्थाएं किस प्रकार से

एड्स एवं उसके रोकथाम में मानव सहायता प्रदान कर रही है। चर्चा के इस क्रम में श्रीमती पूनम मिश्रा के द्वारा महिलाओं के द्वारा पुरुषों से संबंध बनाते समय किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए इसकी जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई। कार्यक्रम के दौरान बीच-बीच में छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रश्न पूछे गए जिनका उन्होंने सरलता से उत्तर भी दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अजीत कुमार यादव के द्वारा की गई एवं मंच संचालन डॉ. यादव, राकेश, पारसनाथ एवं सुश्री सोनू मंडल तथा एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी राजेश्वर प्रसाद एवं समस्त सहायक प्राध्यापक, प्राध्यापिकाएं एवं समस्त विभाग के छात्र छात्राओं के बीच में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। अंत में डॉ यादव राकेश पारसनाथ के द्वारा आए हुए अतिथियों का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया गया।

तारा में संपन्न हुआ दूसरा पीसीबी ट्रॉफी फ्लड लाइट क्रिकेट टूर्नामेंट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। आरआरवीयूएनएल की सामाजिक उत्तरदायित्व शाखा अदाणी फाउंडेशन और तारा ग्राम पंचायत के सहयोग से तारा हाई स्कूल मैदान में दूसरा पीसीबी ट्रॉफी फ्लड लाइट क्रिकेट टूनार्मेंट का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता 13 दिनों तक चली और इसमें सूरजपुर, सरगुजा और कोरबा जिलों की कुल 32 टीमों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को खेलों के माध्यम से सकारात्मक विकास की ओर प्रेरित करना और कठिन परिस्थितियों में भी जीवन में मजबूती से खड़े रहने का संदेश देना था। ग्रैंड फिनाले में तारा पुलिस टीम और शिवनंदनपुर टीम के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।

शिवनंदनपुर टीम विजेता रही, जिसे 1,00,001 की नकद राशि और पीसीबी ट्रॉफी प्रदान की गई। वहीं, तारा पुलिस टीम उपविजेता रही, जिसे 41,000 की नकद राशि और रनर-अप ट्रॉफी दी गई। फाइनल मुकाबला देखने के लिए काफी तादात में दर्शक उपस्थित रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल रहा। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इनमें भुल्लन सिंह मरावी विधायक, प्रेमनगर, श्रीमती नयन सिरदार जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती संपतिया देवी सरपंच, तारा, मुकेश कुमार चीफ ऑफ क्लस्टर, अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, पारसा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि और समुदाय के सदस्य शामिल रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में तारा यूथ कमेटी का विशेष योगदान रहा। प्रमुख वक्तव्यः मुकेश कुमार, चीफ ऑफ क्लस्टर, अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने कहा अदाणी फाउंडेशन हमेशा से सामुदायिक विकास और युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। ऐसे खेल आयोजन न केवल प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं। हमारा उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाना है। भुल्लन सिंह मरावी, विधायक प्रेमनगर ने कहा इस तरह के आयोजन ग्रामीण युवाओं के लिए प्रेरणादायक हैं। अदाणी फाउंडेशन द्वारा खेलों को बढ़ावा देने की यह पहल सराहनीय है और इससे क्षेत्र में खेल संस्कृति को नई दिशा मिलेगी। भविष्य की योजनाः अदाणी फाउंडेशन ने घोषणा की है कि इस तरह के आयोजन हर वर्ष और भी बड़े स्तर पर किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को खेलों के माध्यम से सकारात्मक दिशा दी जा सके। अदाणी फाउंडेशन, अदाणी समूह की सामाजिक उत्तरदायित्व शाखा है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में कार्यरत है। देशभर में फैले अपने कार्यक्रमों के माध्यम से फाउंडेशन का उद्देश्य सतत विकास को बढ़ावा देना और स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना है। खेल-कूद के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना, नेतृत्व कौशल विकसित करना और सामाजिक समावेश को बढ़ावा देना फाउंडेशन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

रा.से.यो. एवं यूनिसेफ ने चलाया ग्राम संपर्क अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। यूनिसेफ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में सुरक्षित पारा-सुरक्षित लइकामन 3.0 अंतर्गत ग्राम शिवपुर में व्यापक ग्राम संपर्क एवं जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामानुजनगर के रा.से.यो.इकाई के स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा बच्चों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों को दैनिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। इनमें हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, गुड टच-बैड टच, संतुलित आहार, मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक हिंसा, भ्रूण हत्या एवं बाल विवाह जैसे संवेदनशील

मुद्दे शामिल थे। ग्रामीणों तक प्रभावी संदेश पहुँचाने के लिए नुक्कड़ नाटक, परिचर्चा, स्लोगन एवं शपथ जैसे माध्यमों का उपयोग किया गया। प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, आंगनबाड़ी केंद्र तथा ग्राम के आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में सहभागिता की और इसे सकारात्मक रूप से सराहा। अभियान में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय एवं यूनिसेफ का सहयोग और मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। कार्यक्रम में रा.से.यो. इकाई से 12 स्वयंसेवकों ने भाग लिया, वहीं कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार शर्मा ने सम्पूर्ण आयोजन का नेतृत्व करते हुए जागरूकता गतिविधियों को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया। ग्राम शिवपुर में आयोजित यह कार्यक्रम बच्चों एवं समुदाय की सुरक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। ग्रामीणों ने आशा व्यक्त की कि ऐसे जागरूकता अभियानों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

तेलाईमुड़ा के व्यापारी से 190 बोरी धान जप्त?

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बीच प्रशासन बिचौलियों के धर-पकड़ के लिए पूरी तरह एक्टीव है। एसडीएम अजय मोडियम के नेतृत्व में तहसीलदार मनहरण सिंह राठिया की टीम द्वारा बीती रात ग्राम तेलाईमुड़ा के व्यापारी राजेश साहू के गोदाम से 190 बोरी धान जप्त? कर गोदाम को सील कर दिया गया। वहीं एक अन्य पीकप वाहन क्रमांक सीजी 16 ए 2011 से 60 बोरी धान जप्त कर वाहन सहित थाना रामानुजनगर के सुपुर्द कर दिया है। तहसीलदार मनहरण सिंह राठिया ने बताया कि सहकारी समितियों में किसानों का धान

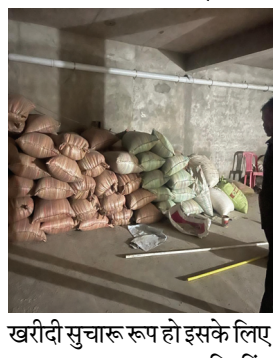

खरीदी सुचारू रूप हो इसके लिए प्रशासन द्वारा लगातार मानिटरिंग किया जा रहा है। जबकि किसानों की आड़ में बिचौलिए अपना धान समितियों में न खपा पाएं, हम लोगों के द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। जहां भी बिचौलिए पकड़ में आ रहे हैं उनके गोदामों को सील तथा धान परिवहन करते हुए पाए जाने पर वाहनों को भी जप्ती की कार्रवाई की जा रही है।

टंकी तो बनी परन्तु नलजल योजना नहीं पहुची ग्रामीणों के घर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। जिले का वाड्रफनगर जनपद के ग्राम रघुनाथनगर में स्थित नलजल योजना के तहत हर घर को पानी उपलब्ध कराने के लिए टंकी तो बनी परन्तु नलजल योजना ग्रामीणों के घर तक नहीं पहुच पाई ग्रामीणों का आरोप है की विभागीय अधिकारी एवं ठेकेदार की मिलीभगत ने इस योजना का पलीता लगा दिया गया है। सरपंच पति की माने तो पीएचई विभाग के ठेकेदार अनूप गुप्ता एवं पीएचई अधिकारियों ने जल जीवन मिशन में भ्रष्टचार किया है। केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण नलजल योजना को मूल रूप न देकर भ्रष्टाचार कर

लिया गया है यह योजना ग्रामीणों का कोई भला नहीं कर पा रही है केवल मिलीभगत कर अपनी जेब गरम कर रहे है शिकायत करने पर भी कोई सुनवाई नही होती है न तो अधिकारी न ठेकेदार ग्रामीणों की एक नहीं सुनते हैं जिससे अंदाजा लगाया जा सकता हैं की ठेकेदार किसी बड़े अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त कर चुका है या बड़े अधिकारी ठेकेदारों से मोटी रकम ले चुके हैं तभी तो ग्रामीण पानी के लिए दर दर भटक रहे है गांव के लोगों का कहना हैं कि बीजेपी के डबल इंजन के सरकार होते हुए भी ठेकेदार एवं अधिकारी सरकार को चुना लगा रहे है। प्रशासन मौन क्यों हैं, क्या प्रशासन भी तो संलिप्त नहीं हैं, हालांकि अब देखना यह है कि प्रशासन क्या कार्यवाही करती है।

महाविद्यालय मे शिक्षक अभिवावक बैठक संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। महाविद्यालय में शिक्षक-अभिभावक समिति की बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस बैठक में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण तथा अभिभावक सम्मिलित हुए। बैठक का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय द्वारा किया गया, जिन्होंने स्वागत भाषण देते हुए शिक्षा के महत्व, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा शिक्षक-अभिभावक समन्वय की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तभी संभव है जब शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी समान रूप से सक्रिय एवं उत्तरदायी हों। इसके पश्चात कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. तोयज शुक्ला ने संबोधित करते हुए अत्यंत प्रभावशाली रूपक प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि शिक्षक, अभिभावक और छात्र त्रिभुज के तीन कोणों की तरह होते हैं, और जब त्रिभुज के तीनों कोण मजबूत होते हैं, तभी उसकी संरचना स्थिर रहती है। इसी प्रकार शिक्षा की प्रक्रिया भी तभी सफल होती है जब शिक्षक मार्गदर्शन दें, अभिभावक सहयोग करें और छात्र मेहनत करें। उनके इस उदाहरण को सभी अभिभावकों ने सराहा। बैठक के दौरान अभिभावकों ने विद्यार्थियों की पढ़ाई, अनुशासन, उपस्थिति तथा महाविद्यालय की शिक्षण पद्धति पर अपने-अपने विचार रखे। कई अभिभावकों ने शिक्षकों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा कुछ ने सुधार हेतु सुझाव भी प्रस्तुत किए। अंत में, सभी उपस्थित अभिभावकों से फीडबैक फॉर्म के माध्यम से सुझाव एवं प्रतिक्रियाएँ ली गईं।

अंतर्राष्ट्रीय निशक्तजन दिवस के अवसर विधिक जागरुकता शिविरों का हुआ आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। राष्ट्र विधिक सेवा प्राधिकरण तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित विधिक जागरुकता शिविर के माध्यम से होली क्रॉस आस्था निकुंज दिव्यांग स्कूल अम्बिकापुर में विधिक जागरूकता शिविर के निदेर्शानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश के.एल. चरयाणी के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय निशक्तजन दिवस के अवसर पर विधिक जागरुकता शिविरों का आयोजन किया गया। जिसके तहत लोगों को दिव्यांगजनों से संबंधित विभिन्न विधिक जानकारियां, नालसा के योजनाओं, लोक अदालत, नालसा हेल्पलाइन नम्बर 15100 के बारे में बताया गया। समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दिव्यांगजनों के अधिकार के प्रति जागरूक किया गया। विधिक जागरूकता शिविर के साथ-साथ बच्चों के लिए खेलकूद का कार्यक्रम भी रखा गया। साथ ही जिला पंचायत सरगुजा के सहयोग से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सरगुजा के पैरालीगल वॉलिंटियर द्वारा मानीकप्रकाशपुर, मंझपारा, कान्तिप्रकाशपुर, धौरपुर, जूनाडीह, पुटा के ग्रामवासियों के मध्य शिविर आयोजित कर दिव्यांगजनों के अधिकारों की जानकारी दी गई।

नवानगर में हुई मन की बात, प्रथम बैठक एवं कार्यशाला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। मन की बात की प्रथम बैठक व कार्यशाला मण्डल नवानगर में रखी गई थी। इस बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया व अध्यक्षता नवानगर मण्डल के मण्डल अध्यक्ष बाली चरण यादव ने की। अपने आतिथ्य व्याख्यान में जिलाध्यक्ष ने सभी मण्डल के अध्यक्ष व मन की बात के सभी मण्डल के संयोजक, सह संयोजक को 30 नवम्बर को हुइ मन की बात के सफल आयोजन के लिए बधाई दी व मन की बात में हर माह अलग-अलग थीम पर कार्ययोजना बनाकर कभी एक पेड़ माँ के नाम, स्वच्छता, खेल-कूद प्रतियोगिता सरगुजा जिले के 787 बूथों पर करवाने का आग्रह किया है एवं सभी बूथों में एक संयोजक और दो सह संयोजक की जल्द-से-जल्द सभी मण्डल अध्यक्ष नियुक्त करेंगे तथा आत्मनिर्भर भारत के विधानसभावार कार्यक्रम में जिले के सभी युवाओं को सम्मलित करवाने तथा एस.आई.आर. पर सभी बूथों में बी.एल.ए.2 को सक्रिय भागीदारी रखने का भी मण्डल अध्यक्षों से आग्रह किया गया। कार्यशाला में भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में सभी को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी अनवरत जनता के बीच में जाकर कार्य करते रहते हैं। उसी कड़ी में मोदी जी के मन की बात हर बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ता जनता से रूबरू होने का यह एक माध्यम है। आत्मनिर्भर भारत पर निश्चल प्रताप सिंह ने अपने व्याख्यान दिए और कहा कि इस दीपावली वोकल फॉर लोकल, स्वदेशी वस्तुओं की जमकर खरीदी हुई और निश्चित रूप से अपना देश स्वालंबन होता जा रहा है। एस.आई.आर. पर अपनी बात रखते हुए निलेश सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में 90 प्रतिशत गणना पत्रक भरे जा चुके हैं। थोड़ा अगर कही कमजोरी दिख रहा है तो वह शहर और कस्बों में दिख रहा है। गणना पत्रक भरने की तिथि 04 दिसम्बर से आगे बढ़ाकर 12 दिसम्बर कर दी गयी है। सभी कार्यकताओं से आग्रह किया बचे हुए लोगों का गणना पत्रक जल्द-से-जल्द भरवाया जावे। मन की बात के जिला संयोजक जन्मेजय मिश्रा ने भी स्वागत भाषण दिया। मंच का संचालन जिला सह संयोजक श्रवण दास ने किया व आभार महेन्द्र सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में 10 मण्डल के अध्यक्ष व 14 मण्डल से मन की बात के संयोजक, सह संयोजक उपस्थित थे।

सम्पादकीय

अब सत्ता से सेवा की ओर सरकार

केंद्र सरकार ने पिछले एक दशक में कई बदलाव कर बड़े संदेश दिए हैं। इस बार राज्यों की राजधानियों में राज भवनों के नाम बदले जा रहे हैं। अब इन्हें राज भवन के स्थान पर 'लोक भवन' के नाम से जाना जाएगा। उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, केरल, तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने यह बदलाव कर दिया है। कई राज्यपालों ने तो खुद ही सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। वहीं, केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का नाम बदलकर 'सेवा तीर्थ' कर दिया है। इसके अलावा, केंद्रीय सचिवालय को 'कर्तव्य भवन' के नाम से जाना जाएगा। इन नाम बदलने के पीछे सरकार की एक बड़ी सोच छिपी है। ऐसे बदलाव साफ संदेश देते हैं कि सत्ता पद केवल लाभ उठाने के लिए नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। ये नाम बदलाव बस दिखावे के लिए नहीं, बल्कि संदेश देते हैं कि सरकार की सोच में बड़ा बदलाव आया है। यह दर्शाता है कि सरकार जनता की सेवा करने वाली है, न कि सिर्फ सत्ता चलाने वाली। अब यह बदलाव केवल पीएमओ, राज भवनों का नाम बदलने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रदर्शन पहले भी कई अवसरों पर दिखाई दे चुका है। इससे पहले राजपथ का नाम बदलकर 'कर्तव्य पथ' किया गया था। पीएम का आधिकारिक निवास भी 'रेस कोर्स रोड' कहलाता था, जिसे 2016 में बदलकर 'लोक कल्याण मार्ग' किया गया था। अब पीएमओ के अफसरों ने कहा कि 'सार्वजनिक संस्थानों में बड़ा बदलाव हो रहा है। सरकार सत्ता से सेवा की ओर बढ़ रही है। ये बदलाव प्रशासनिक नहीं, सांस्कृतिक हैं।' बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में कहा था कि राज भवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। इसलिए राज्यपालों और उप-राज्यपालों के कार्यालयों को अब 'लोक भवन' और 'लोक निवास' के नाम से जाना जाएगा। वहीं, अब पीएम नरेंद्र मोदी का दफ्तर (पीएमओ) भी 78 साल पुराने साउथ ब्लॉक से निकलकर 'सेवा तीर्थ' नाम वाले नए एडवांस कैंपस में शिफ्ट होने जा रहा है। यह बदलाव सेंट्रल विस्टा री डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का बड़ा हिस्सा है। अब पीएमओ सेवा तीर्थ-1 से काम करेगा, सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय होंगे, जबकि सेवा तीर्थ-3 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) का दफ्तर होगा। इन बदलावों के पीछे पीएम मोदी की सोच है जो जन सेवा के लिए उनके दीर्घकालिक दृष्टिकोण को परिलक्षित करती है। पिछले एक दशक में कई मौकों पर इसका परिचय मिला है। शुरुआत खुद ही प्रधानमंत्री आवास के पते से हुई थी, जब दशकों से चले आ रहे पते को बदला गया था। पहले प्रधानमंत्री का सरकारी आवास सात रेसकोर्स रोड के नाम से जाना जाता था, लेकिन नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 2016 में इसका नाम बदल कर लोक कल्याण मार्ग किया गया। इसके पीछे जनता की सेवा और कल्याण का उद्देश्य है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकारी कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थलों के नामकरण से कर्तव्य और पारदर्शिता की भावना प्रकट होती है। इसके पीछे का संदेश यही है कि सरकार का काम है जनता की सेवा करना, न कि सिर्फ सत्ता का सुख भोगना।

संचार साथी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

सुरक्षा कवच या निजता पर निगरानी

देश की सबसे बड़ी पंचायत यानी संसद भवन के गलियारों में आज जो कोलाहल गूंज रहा है, उसका सरोकार किसी सरहद के तनाव या सियासी बिसात से नहीं, बल्कि उस धड़कन से है जो हमारी जेब में धड़कती है। इस बार संसद में पक्ष और विपक्ष के बीच जारी चर्चा का केंद्र-बिंदु बना है हमारा मोबाइल फोन। दरअसल, संसद के वर्तमान सत्र में सरकार द्वारा 'संचार साथी' एप को देश के हर स्मार्टफोन में अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव एक ऐसे विमर्श को जन्म दे रहा है, जो आधुनिक भारत में तकनीक और नागरिक अधिकारों के बीच के संवेदनशील द्वंद्व का कारण बन गया है। यह मुद्दा महज एक एप्लीकेशन को डाउनलोड करने का नहीं, बल्कि उस लक्ष्मण रेखा का है जो राज्य की शक्ति और नागरिक की निजता के बीच खिंची होनी चाहिए। इस डिजिटल युग में, जहां डेटा ही नया ईंधन है, हमारा स्मार्टफोन वह तिजोरी बन गया है जिसमें हम अपने जीवन के सबसे निजी पन्ने, अपनी आर्थिक कुंजी और अपनी पहचान सहेजकर रखते हैं।

विडंबना यह है कि आज यही तिजोरी सबसे अधिक असुरक्षित है। जामताड़ा के बीहड़ों से लेकर मेवात की गलियों तक, और अब देश के सुदूर कोनों से संचालित साइबर अपराधों ने आम आदमी के जीवन को एक अनजाने भय से भर दिया है। सुरक्षा एजेंसियां जब तक घटित हुए अपराध निदान निकालती हैं, तब तक अपराधी नए रास्ते खोज लेते हैं। इसी पृष्ठभूमि में सरकार 'संचार साथी' को एक 'केंद्रीयकृत डिजिटल प्रहरी' के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। इसे एक ऐसी व्यवस्था माना जा रहा है जो अपराध के घटित होने की प्रतीक्षा नहीं करती, बल्कि उसे अंकुरित होने से पहले ही कुचल देने का दावा करती है। इस ऐप की कार्यप्रणाली को समझना किसी विज्ञान-गल्प कथा के सच होने जैसा है। सरकारी दावों के अनुसार, यह ऐप 'एस्त्र' नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रणाली से संचालित होगा। यह तकनीक किसी जादुई आईने की तरह काम करेगी, जो सेकंडों में पहचान लेगी कि कहीं किसी अपराधी ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे सिम तो नहीं लिया है। यदि कोई व्यक्ति चेहरे बदलकर या नाम बदलकर ठगी का जाल बुनता है, तो 'एस्त्र' उसके चेहरे का मिलान डेटाबेस से करते ही उन सभी नंबरों को तत्काल ब्लॉक कर देगा। यह प्रक्रिया इतनी त्वरित होगी कि अपराधी को संभलने का अवसर ही नहीं मिलेगा। मोबाइल चोरी, जो एक आम समस्या बन चुकी है, उसके लिए प्रस्तावित 'किल स्विच' भी एक क्रांतिकारी कदम बताया जा रहा है।

अब तक अपराधी आईएमईआई नंबर बदलकर फोन बेच देते थे, लेकिन इस नई व्यवस्था में फोन के हार्डवेयर हस्ताक्षर को सीधे नेटवर्क से जोड़ दिया जाएगा। छेड़छाड़ का तनिक भी संकेत मिलते ही फोन हार्डवेयर स्तर पर लॉक हो जाएगा और वह महंगा उपकरण महज कांच और प्लास्टिक के एक बेजान टुकड़े में बदल जाएगा। सरकार का मानना है कि जब चोरी किए गए फोन का कोई मूल्य ही नहीं बचेगा, तो चोरी की घटनाएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी।

कल्पना कीजिए एक ऐसे अभेद्य सुरक्षा चक्र की, जहां हर कॉल सत्यापित हो, जहां 'घोस्ट सिम' का अस्तित्व न हो और जहां हम फर्जी संदेशों के जाल में फंसने से बचे रहें। निस्संदेह, एक सुरक्षित डिजिटल

भारत की यह तस्वीर अत्यंत मोहक है। किंतु, सुरक्षा के इस सुनहरे आवरण के पीछे निजता का एक घना और गहरा साया भी मंडरा रहा है और यही वह बिंदु है जिसने संसद से लेकर सड़क तक चिंता की लकीरें खींच दी हैं। एक अनिवार्य सरकारी ऐप, जो दिन-रात हमारे फोन में जागता रहे और हमारी गतिविधियों पर दृष्टि रखे, राज्य को एक असाधारण और असीमित शक्ति प्रदान करता है। कॉल लॉग्स, संदेश और लोकेशन- इन तक पहुंच की अनुमति भले ही सुरक्षा के नाम पर ली जाए, लेकिन इतिहास गवाह है कि निगरानी की शक्ति का दुरुपयोग अकसर राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और असहमत स्वरों को दबाने के लिए किया जाता रहा है।

क्या हम एक ऐसे निगरानी घर (पेनोप्टिकॉन) का निर्माण तो नहीं कर रहे, जहां नागरिक हर पल संदेह के घेरे में होगा? इसके साथ ही, डेटा सुरक्षा का प्रश्न मुंह बाए खड़ा है। यदि सौ करोड़ से अधिक भारतीयों का रियल-टाइम डेटा एक केंद्रीय सर्वर पर एकत्र होता है, तो वह दुनिया का सबसे विशाल और संवेदनशील डेटाबेस होगा जो हैकर्स के लिए किसी 'सोने की खान' से कम नहीं होगा। आधार लीक और सरकारी पोर्टलों पर हुए पिछले हमलों ने यह सिद्ध किया है कि सरकारी साइबर सुरक्षा अभेद्य नहीं है। ऐसे में एक भी सेंध का अर्थ होगा - समूचे राष्ट्र की निजता का पतन। यह तकनीकी भाषा में 'विफलता का एकल बिंदु' (सिंगल पॉइंट ऑफ फेलियर) है, जो अत्यंत जोखिम भरा है। व्यावहारिक धरातल पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत की एक बड़ी आबादी आज भी सीमित क्षमता वाले सस्ते स्मार्टफोन पर निर्भर है। क्या एक साधारण ग्रामीण का फोन इस 'हाई-टेक' पहरेदार का बोझ उठा पाएगा? परंतु, इन सबसे ऊपर एक दार्शनिक प्रश्न गूंज रहा है- लोकतंत्र 'विश्वास' के अनुबंध पर चलता है या 'संदेह' की बुनियाद पर? राज्य का दायित्व नागरिकों को सुरक्षा देना है, उनकी सांसों की गिनती रखना नहीं। सरकार का यह तर्क कि 'चूंकि आप अपनी सुरक्षा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए हमें आपके घर (फोन) के भीतर आकर पहरा देना होगा,' आपातकाल में तो स्वीकार्य हो सकता है, लेकिन सामान्य जनजीवन में यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मूल भावना पर प्रहार अनुभव हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने निजता को मौलिक अधिकार माना है, ऐसे में किसी एप को 'अनिवार्य' बनाना संवैधानिक कसौटी पर कितना खरा उतरेगा, यह देखना शेष है।

संचार साथी पर जारी इस मंथन ने हमें दोराहे पर खड़ा कर दिया है। एक रास्ता पूर्ण सुरक्षा का है, जहां अपराध के लिए कोई जगह नहीं होगी और दूसरा रास्ता निगरानी का है, जहां स्वतंत्रता के लिए कोई जगह नहीं। समाज किस दिशा में जाएगा, यह तकनीक नहीं, बल्कि उसकी नियत तय करेगी। यदि सरकार वास्तव में नागरिकों की हितैषी है, तो उसे पारदर्शिता का मार्ग चुनना होगा। एप को 'ओपन सोर्स' किया जाए ताकि विशेषज्ञ उसकी जांच कर सकें, डेटा सुरक्षा के कड़े कानून बनें, और सबसे महत्वपूर्ण- इसे बाध्यकारी बनाने के बजाय इसकी उपयोगिता सिद्ध करके नागरिकों को इसे स्वेच्छा से अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। सुरक्षा अनिवार्य है, किंतु स्वतंत्रता उसकी आहुति नहीं हो सकती। बेशक साइबर सुरक्षा को लेकर कोई विवाद अथवा समझौता नहीं होना चाहिए। क्योंकि वर्तमान में साइबर सुरक्षा को लेकर कदम उठाना बहुत आवश्यक हो गया है। पर यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है कि संचार साथी का यह विमर्श केवल एक एप का विवाद नहीं, बल्कि भारत के उस भविष्य की रूपरेखा है जहां हमें तय करना है कि हम तकनीक के साथ कितनी आजादी, कितनी सुरक्षा और कितनी निजता के साथ जीना चाहते हैं।

(लेखक शिक्षण क्षेत्र से जुड़े हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

> इस बार संसद में पक्ष और विपक्ष के बीच जारी चर्चा का केंद्र-बिंदु बना है हमारा मोबाइल फोन। दरअसल, संसद के वर्तमान सत्र में सरकार द्वारा 'संचार साथी' एप को देश के हर स्मार्टफोन में अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव एक ऐसे विमर्श को जन्म दे रहा है, जो आधुनिक भारत में तकनीक और नागरिक अधिकारों के बीच के संवेदनशील द्वंद्व का कारण बन गया है। पर यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है कि संचार साथी का यह विमर्श केवल एक एप का विवाद नहीं, बल्कि भारत के उस भविष्य की रूपरेखा है जहां हमें तय करना है कि हम तकनीक के साथ कितनी आजादी, कितनी सुरक्षा और कितनी निजता के साथ जीना चाहते हैं।

दिवस विशेष

डॉ. रमेश ठाकुर

दिव्यांगों के लिए लड़नी होगी सामूहिक रूप से लड़ाई

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस, विश्व भर के दिव्यांगजनों को सम्मान देने और उनके वैश्विक स्वास्थ्य सेवा के लिए समर्पित माना जाता है। शुरुआत 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। आज 33वां संस्करण समूचे संसार में मनाया जा रहा है। हर साल 3 दिसंबर को विभिन्न वैश्विक और स्थानीय संगठन, समाज के हर स्तर पर विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एक मंच पर जुटते हैं। भारत सरकार द्वारा अक्षमों को दिव्यांग कहा जाता है। उनको स्वावलंबी बनाने के लिए तमाम तरह की कल्याणकारी योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। साथ ही प्रत्येक सरकारी विभाग में उनके लिए आरक्षित सीटों का प्रावधान भी केंद्र सरकार की ओर से सुनिश्चित किया हुआ है। वर्तमान में दिव्यांग दिवस का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह न केवल दिव्यांग व्यक्तियों के योगदान को मान्यता देने का अवसर है, बल्कि समाज और सरकार को उनकी समस्याओं, जरूरतों और अधिकारों के प्रति सजग करने का भी माध्यम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और दिव्यांग अधिकार अधिनियम जैसे कानून दिव्यांग व्यक्तियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में बराबरी सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं। इतिहास में, दिव्यांग व्यक्ति अक्सर शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में समान अवसरों से वंचित रहे हैं। इसके मद्देनजर, अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का महत्व केवल जागरूकता फैलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नीतिगत बदलावों और कानूनों को लागू करने की दिशा में भी एक प्रेरक शक्ति बन गया है। भारत में कई राष्ट्रीयकृत बैंक और वित्तीय संस्थान विकलांग व्यक्तियों को ऋण देते हैं। ये ऋण मुख्य रूप से राष्ट्रीय विकलांग वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं के तहत दिए जाते हैं और कुछ बैंकों की अपनी विशेष योजनाएं भी हैं जैसे कि बैंक ऑफ इंडिया की स्टार मित्र पर्सनल लोन योजना। भारत में करीब 45 फीसदी दिव्यांगजन लोन लेकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक हिंदुस्तान में करीब 2. 68 करोड़ दिव्यांगजनों की संख्या बताई गई थी जिनमें 1.50 करोड़ पुरुष और 1.18 करोड़ महिलाएं थीं। इनमें अधिकांश करीब एक तिहाई आबादी गांवों में बताई गई। गनीमन ये रही कि सफल 'पल्स पोलियो अभियान' के बाद दिव्यांगों की संख्या एकदम रुक गई। बीते दो दशकों में भारत में सिंगल केस भी सामने नहीं आया। इसे हुकूमत की बड़ी सफलताओं में गिना जाना चाहिए। वर्ष 2016 से भारत में अक्षम लोगों को नया नाम दिया गया था दिव्यांग। दिव्यांग दिवस अक्षमों विकलांग के अधिकारों और उनके कल्याण को बढ़ावा देने के अलावा उनके राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों के विषय में जागरूकता बढ़ाता है। 1976 में हुई संयुक्त राष्ट्र की आम सभा ने मिलकर विकलांगजनों के लिए आज का खास दिन मुकर्रर किया था। 2016 में भारत के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने विकलांग शब्द को हटाकर उसकी जगह दिव्यांग कहना प्रचलित करवाया था। तभी से बोलचाल की भाषा में अक्षमों को दिव्यांग कहना शुरू किया गया। वह इसलिए कि इस शब्द में सम्मान का भाव झलकता है। विश्व की बात करें तो विकलांगों की संख्या मामले में लातविया अभी भी अव्वल पायदान पर काबिज है, 41.2 आबादी दिव्यांगों की वहां वास करती है। वहीं, दूसरे स्थान फिनलैंड हैं जहां 34.9 दिव्यांग रहते हैं। आज का दिन दिव्यांगों के अधिकार, समानता और सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा समाज में समावेशिता और भेदभाव समाप्त करने की ललक भी पैदा करता है। देश हो, चाहे विदेश, सरकार केंद्र की हो या राज्यों की, सभी को सामुहिक रूप से दिव्यांगों के प्रति लाचारी नहीं, बल्कि उनके मुकम्मल हकों के लिए लड़ना चाहिए। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईराक जैसे मुल्कों में दिव्यांगों के हालात अभी भी बदतर हैं, इसलिए दिव्यांगों के लिए अभी और समावेशी लड़ाई लड़ने की जरूरत है। हालांकि, सरकारी सुविधाओं के मिलने के बाद भारत के ज्यादातर दिव्यांगजन साहस, संकल्प के बूते सफलता के नए आयाम गढ़ रहे हैं। खेलों के विभिन्न मंचों पर पैराओलंपिक खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर स्वर्ण अक्षरों में नया इतिहास लिख रहे हैं। प्रसिद्ध दिव्यांग व्यक्तियों में वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग और अल्बर्ट आइंस्टीन, पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रेंक्लिन डी. रूज़वेल्ट, और भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी इरा सिंघल की कहानी दूसरे दिव्यांगजनों को प्रोत्साहित करती है। इन्होंने अपनी विकलांगताओं पर विजय प्राप्त कर अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण सफलता प्राप्त करके दूसरों को संबल दिया है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन बना और बिगाड़ सकती है ये चीजें

आम आदमी अपने दिन का पूरा समय इन दो जगहों पर बिताता है वो है घर या फिर दफ्तर में। जैसी व्यक्ति की संगति होती है वैसी ही उसकी मति हो जाती है। इसलिए जरूरी होता है कि व्यक्ति हमेशा अपने लिए सही वातावरण चुनना चाहिए, जिससे वह

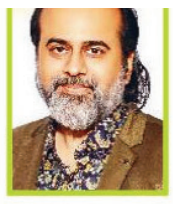

संकलित

दर्शन

सहा पथ पर चल। आचाय प्रशात क अनुसार, एक व्याक्त किस आधार पर विवाह करता है या फिर कैसी संगति चुनता है। यह महत्व की बात है कि वह व्यक्ति किसके साथ रह रहा है। आप चाहे विवाह करके रह रहे हो या फिर बिना विवाह करके अपना जीवन व्यय कर रहा हो। ऐसे में व्यक्ति को जरूर हमेशा याद रखना चाहिए कि वह अपने जीवनसाथी का चयन किस आधार पर कर रहा है। हर एक छोटी बात जैसे कि वह व्यक्ति अब से लगातार मेरे कमरे में रहेगा? किसके शब्द लगातार पड़ने लग गए हैं तुम्हारे कानों में? इन चीजों को याद करके ही निर्णय लेना चाहिए। क्योंकि इसी बात पर तुम्हारी जिंदगी या तो बन जाएगी या बिल्कुल बर्बाद हो जाएगी। आचार्य प्रशांत आगे कहते हैं कि यहीं बात दफ्तर के लिए है कि दिन के आठ से दस घंटे आप किन लोगों की शक्लें देखते हैं या आर अपना बॉस बोलते हो, वो यूं ही है कोई सड़क का आदमी जो तुम्हारी जिंदगी पर अब अधिकार रखने लग गया है तो तुम बर्बाद हो जाओगे। यही बात दफ्तर के माहौल पर और धंधे की प्रकृति पर लागू होती है। तुम्हारी संस्था किस तरह का व्यवसाय करती है और तुम्हारे काम में किस तरह के लोग लगे हुए हैं?

ईमानदारी और आत्म सम्मान के साथ जीएं

एक सेठ अपने नौकर के साथ ऊंट खरीदने गया। उसने मंडी में एक ऊंट पसंद किया और उसे खरीदकर अपने घर लेकर आ गया। सेठ ने ऊंट की पीठ से गादी हटाई तो वहां एक पोटली दिखाई दी। उस पोटली में देखा तो उसमें हीरे थे। सेठ समझ गया कि ये हीरे ऊंट के

संकलित

प्रेरणा

पुरान मालक क ह, जिसस ऊट खरादा ह। पाटला म हार दखकर नाकर न कहा कि हम ता ऊंट के साथ हीरे भी मिल गए हैं। सेठ ने नौकर से कहा कि हमने तो सिर्फ ऊंट खरीदा है, हीरे नहीं, इसलिए ये पोटली ऊंट के व्यापारी को वापस देनी होगी। अगले दिन सेठ ऊंट बेचने वाले व्यापारी के पास पहुंच गया और हीरों की थैली लौटा दी। ऊंट के व्यापारी ने कहा कि आप तो बहुत ईमानदार हैं। ये कीमती हीरे हैं, मैं रखकर भूल गया था। आपकी नीयत एकदम साफ है। अपनी ईमानदारी के लिए आप इसमें से एक हीरा रख लीजिए। सेठ ने कहा कि मुझे ये हीरा नहीं चाहिए। मैंने किसी भेंट के लिए ये पोटली आपको नहीं दी है। मेरा कर्तव्य था, मैंने आपको ये थैली दे दी। जब हीरों के मालिक ने बार-बार निवेदन किया तो सेठ ने कहा कि मैंने पहले से ही दो हीरे रख लिए हैं। ये बात सुनते ही हीरों के मालिक को गुस्सा आ गया। हीरों के मालिक ने तुरंत ही पोटली में से हीरे निकाल कर गिनना शुरू कर दिए। उस थैली में 50 हीरे थे। हीरों के मालिक ने कहा कि थैली में तो पूरे हीरे हैं, आप किन दो हीरों की बात कर रहे हैं। ऊंट खरीदने वाले सेठ ने कहा कि मेरे ये दो हीरे हैं ईमानदारी और आत्म सम्मान। ये दो हीरे मैंने पहले से बचाकर रखे हैं, इसलिए आपके पूरे 50 हीरे आपको वापस मिल गए है।

अंतर्मन

आज की पाती

क्या मजबूत विपक्ष जरूरी नहीं

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है और इसमें भी हंगामे और हो-हल्ला होने के चांस हैं, लेकिन संसद में हो हल्ला न हो ऐसे कैसे हो सकता है? क्या विपक्ष सरकार की तानाशाही नीतियों का विरोध नहीं करे? सरकार कोई ऐसा बिल संसद के किसी सत्र में पास करने की कोशिश करे जो आमजन के लिए लाभदायक कम और हानिकारक ज्यादा हो, उसका विरोध विपक्ष न करे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब नोटबंदी का फैसला लिया था, तब वो कितने दिन संसद ही नहीं गए थे। शायद उनके पास इस फैसले से संबंधित विपक्ष के प्रश्नों के जवाब नहीं थे। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। नहीं तो संसद में सत्ताधारी पार्टी कोई भी मनमाना कानून पास कर देगी। - शरद काले, जगदलपुर

ट्रेंड

हार्दिक संवेदना व्यक्त

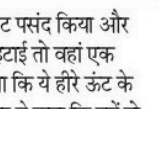

राष्ट्रपति दिसानायके से बात कर चक्रवात दित्वा से हुई दुखद जनहानि और व्यापक तबाही पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की। एक घनिष्ठ और विश्वसनीय मित्र के रूप में, भारत इस कठिन घड़ी में श्रीलंका और उसके लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

वनभूमि कब्जामुक्त होगी

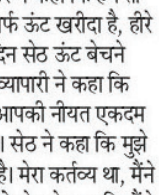

असम की वनभूमि पर जितने भी अवैध रूप से कब्जा जमाए बैठे लोग हैं, उन्हे हटाने के लिए हमारी सरकार कड़ी कार्रवाई करती रहेगी। यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक वनभूमि अवैध कब्जाधारियों से पूरी तरह मुक्त नहीं हो जाती।
- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

एसआईआर पर चर्चा

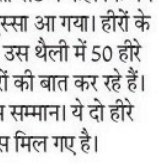

आज हमने नियम 267 के तहत जो नोटिस दिया है, सदन में उसका उद्देश्य बताया जाना चाहिए। ये परंपरा रही है। हमारी अपील है कि एसआईआर पर तत्काल चर्चा होनी चाहिए। ये बहुत ही गंभीर मुद्दा है, क्योंकि देश में बीएलओज की जान जा रही है। हम इस मुद्दे पर चर्चा करने को तैयार हैं।
- मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेसाध्यक्ष

उद्यमियों से प्रार्थना

सपने आप अकेले पूरे नहीं करते। जिस समाज ने हमें खड़ा किया, उसे कुछ लौटाना हमारी जिम्मेदारी है। यही मेरी सारे उद्यमियों से भी प्रार्थना है। आगे बढ़ रहे हो? बहुत अच्छा। अपने साथ लोगों को भी बढ़ाते चलो। यही असली विकास है।
- अनिल अग्रवाल, उद्यमी

करंट अफेयर

ट्रंप के हृदय और पेट का एमआरआई सामान्य

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चिकित्सक ने कहा कि राष्ट्रपति का अक्टूबर में एहतियात के तौर हृदय और पेट का एमआरआई स्कैन कराया गया था जिसके परिणाम 'पूरी तरह सामान्य' पाए गए हैं।

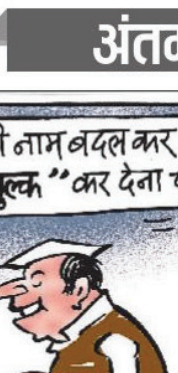

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस द्वारा चिकित्सक की ओर से जारी एक मेमो में यह जानकारी दी गयी है। डॉ. शॉन बारबाबेला ने सोमवार को एक बयान में कहा कि ट्रंप की शारीरिक जांच में 'एडवांस्ड इमेजिंग' शामिल थी, जो कि ट्रंप की आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए 'मानक शारीरिक परीक्षण' का हिस्सा है। डॉ बारबाबेला ने निष्कर्ष निकाला कि हृदय और पेट की इमेजिंग 'एकदम सामान्य' है। चिकित्सक ने लिखा, 'यह जांच निवारक तौर पर की गयी है ताकि समस्याओं की जल्द पहचान की जा सके, पूरी स्वास्थ्य स्थिति का पता लगाया जा सके और उनकी दीर्घकालिक जीवन शक्ति तथा कार्यप्रणाली बनी रहे।' ट्रंप द्वारा रविवार को स्कैन के परिणाम जारी करने की घोषणा के बाद व्हाइट हाउस ने बारबाबेला का ज्ञापन जारी किया। इससे पहले व्हाइट हाउस ने यह बताने से इनकार कर दिया था कि अक्टूबर में वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुए इस शारीरिक परीक्षण के दौरान एमआरआई क्यों किया गया था।

ऑफ बीट

ब्रह्माण्ड स्वयं को क्यों खंडित कर रहा है?

ब्रह्मांड किससे बना है? यह प्रश्न सैकड़ों वर्षों से खगोलविदों को उद्वेलित करता रहा है। पिछली एक चौथाई सदी से, वैज्ञानिकों का मानना है कि परमाणु और अणु

जैसी 'सामान्य' चीजें जो आपको, मुझे, पृथ्वी और लगभग हर चीज को बनाती हैं जिसे हम देख सकते हैं, ब्रह्मांड का केवल 5 प्रतिशत हिस्सा है। अन्य 25 प्रतिशत 'डार्क मैटर' है, एक अज्ञात पदार्थ जिसे हम देख नहीं सकते हैं लेकिन हम यह पता लगा सकते हैं कि यह गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से सामान्य पदार्थ को कैसे प्रभावित करता है। 1998 में खोजा गया, यह ऊर्जा का एक अज्ञात रूप है जिसके बारे में माना जाता है कि यह ब्रह्मांड का लगातार बढ़ती दर से विस्तार कर रहा है। एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में जल्द ही प्रकाशित होने वाले एक नए अध्ययन में, हमने डार्क एनर्जी के गुणों को पहले से कहीं अधिक विस्तार से मापा है। हमारे नतीजे दिखाते हैं कि यह एक काल्पनिक वैक्यूम ऊर्जा हो सकती है जिसके बारे में सबसे पहले आइंस्टीन ने प्रस्तावित किया था - या यह कुछ अजीब और अधिक जटिल हो सकता है जो समय के साथ बदलता रहता है। एक सदी पहले जब आइंस्टीन ने सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत विकसित किया, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके समीकरणों से पता चलता है कि ब्रह्मांड को या तो विस्तारित होना चाहिए या सिकुड़ना चाहिए।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-./ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका रूपा देवी पत्नी प्रवीण कुमार निवासी ग्राम जरही थाना भटगांव तहसील प्रतापपुर जिला-सूरजपुर छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर 9 शीतला वार्ड, नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 3430/2 रकबा 0.02,3/4 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 63.36 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 53,40 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17/12/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-02/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-3, जिला- सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क० 202512022900003/-121/25-28

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुनीता बा पति सोमारू राम निवासी ग्राम नवागढ़, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) द्वारा ग्राम नवागढ़ स्थित मित्व व आधिपत्य की भूमि ख0न0 110/11 रकबा 0.028 हे० भूमि का लाल स्याही से नक्शा चिन्हांकित कर नक्शा ऑनलाईन दुरूस्त किये जाने बादल आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 26/12/2002 तक इस न्यायालय में स्वय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार किया जायेगा। आज दिनांक 03/12/2025 को मेरे

हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-03

पुतिन की आज से दो दिवसीय भारत यात्रा

रूस और भारत के बीच होंगे कई समझौते, कारोबार पर होगी बात

नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन 4 और 5 दिसंबर को 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय 'राजकीय यात्रा' पर भारत आ रहे हैं। इस सम्मेलन में भारत और रूस के बीच कई समझौते होंगे। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2021 में 'कामकाजी' दौरे (वर्किंग विजिट) पर भारत आए थे। पुतिन की पिछली ज्यादातर भारत यात्रा कामकाजी या आधिकारिक रही है मगर आगामी दौरा निश्चित रूप से राजकीय यात्रा होगी। रूस और भारत अपने रक्षा सहयोग मजबूत करने और व्यापार संबंधों (विशेष रूप से 'राष्ट्रीय मुद्राओं'में) का विस्तार करने के रास्ते तलाश रहे हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 4 से 5 दिसंबर तक की भारत यात्रा के दौरान उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ रूस के रक्षा मंत्री एंड्री बेलौसोव भी रहेंगे।

- एस-400, सु-57 की खरीद पर होगी चर्चा

टेंशन में अमेरिका यूरोप भी अपसेट

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से अमेरिका तो टेंशन में है ही, यूरोपीय देश भी अपसेट हैं। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे ताकतवर देशों ने अजीब तरह से एक मोर्चा खोल दिया है। भारत से दोस्ती को ताक पर रखकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। भारत ने इसे अपनी संप्रभुता और कूटनीतिक शिष्टाचार पर हमला मानते हुए सख्त एतराज जताया है।

यूक्रेन युद्ध के बाद दुर्लभ यात्रा

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन की यह विदेश यात्राओं में से एक दुर्लभ यात्रा है। पश्चिमी देश खासकर अमेरिका और यूरोप पिछले तीन सालों से पुतिन को वैश्विक मंच पर अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जब दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पुतिन का 'रेड कार्पेट' वेलकम करने को तैयार हो।

दिल्ली बनी 'हाईटेक' सुरक्षा किला

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार से भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आ रहे हैं। उनकी पूरी मूवमेंट को लेकर शहर की सुरक्षा व्यवस्था को सबसे ऊंचे स्तर पर रखा गया है। पुतिन की यात्रा के लिए दिल्ली में मल्टी-ग्रिड सिक्योरिटी सिस्टम लागू किया गया है। यह सुरक्षा कवच बेहद व्यापक और अभूतपूर्व बताया जा रहा है। रूसी खुफिया एजेंसी और भारतीय सुरक्षा टीमें पिछले कई दिनों से एक जगह मिलकर सुरक्षा की हर परत की जांच कर रही हैं। राष्ट्रपति के ठहरने के स्थान पर सुरक्षा के सबसे कड़े इंतजाम किए गए हैं।

दुष्प्रभाव की कर सकेंगे शिकायत

हर दवा दुकान पर चस्पा होगा क्यूआर कोड, हेल्पलाइन नंबर

नई दिल्ली

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को निर्देश दिया है कि देशभर की खुदरा और थोक दवा दुकानों पर एक निर्धारित क्यूआर कोड और टोल-फ्री नंबर लगाया जाए, ताकि लोग दवाइयों से होने वाले किसी भी नुकसानदायक असर की जानकारी आसानी से दे सकें। सीडीएससीओ ने कहा कि इस कदम से आम लोगों और स्वास्थ्यकर्मियों को दवाओं के दुष्प्रभाव और उनसे जुड़े मामलों शेष पेज 7 पर

राज्यों को पत्र

सीडीएससीओ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को भेजे गए एक परिपत्र में कहा, सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा लाइसेंसिंग प्राधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक खुदरा और थोक दवा दुकान में निर्धारित क्यूआर कोड को प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित किया जाए।

तुरंत कार्रवाई के निर्देश

परिपत्र के अनुसार, इसके साथ ही, प्रत्येक दवा दुकान पर क्यूआर कोड के साथ टोल-फ्री नंबर भी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाना चाहिए। परिपत्र में आगे कहा गया, आपसे निवेदन है कि अपने क्षेत्राधिकार में इन निर्देशों के क्रियान्वयन के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू करें।

कहासुनी के बाद उपजा था विवाद

जीआरपी थाने में हेड कांस्टेबल ने साथी पर चलाई गोली, मौत

रायगढ़

रायगढ़ रेलवे स्टेशन से बुधवार को एक दिल दहला देने वाली घटना खबर सामने आई। यहां जीआरपी थाने में मौजूद कांस्टेबल ने अपने ही सहकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। मामला रायगढ़ रेलवे स्टेशन के अंदर मौजूद आरपीएफ थाने का है। जहां बुधवार की तड़के 4 बजे के करीब थाने के भीतर से गोली चलने की आवाज आई। हादसे की जानकारी मिलते ही आरपीएफ थाने को छावनी के रूप में तब्दील कर दिया गया।

मामला रायगढ़ रेलवे स्टेशन पर मौजूद जीआरपी थाने का है, जहां हेड कांस्टेबल शेष पेज 7 पर

आरोपी

गोली की आवाज को पटाखे की समझा

रेलवे स्टेशन में मौजूद थाने के अन्य कर्मचारियों नें बताया कि सुबह के समय थाने में केवल केएस लादेर व पीके मिश्रा ही मौजूद थे। कुछ अन्य जवान स्टेशन में गश्त कर रहे थे, तभी उन्हें गोली शेष पेज 7 पर

चार राउंड की फायर, दो गोली कंधे व दो सिर पर

हत्यारा लदेर ने अपने ही सर्विस रिवाल्वर से सामने बैठे मृतक पर चार राउंड फायरिंग की, जिसमें से दो गोली तो सीने पर लगी, एक गोली सिर पर लगी।

रुपया पहली बार 90 के नीचे गिरा, 90.21 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

ऐसा पहली बार, 90.21 रुपए में एक डॉलर

एजेंसी मुंबई

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया बुधवार को पहली बार 90 प्रति डॉलर के नीचे चला गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता कायम रहने और डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट थामने के लिए रिजर्व बैंक के आगे न आने से स्थानीय मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई।

77 साल पहले 1 रुपया = 1 डॉलर

- 15 अगस्त 1947 को जब भारत को आज़ादी मिली, तो रुपए की कीमत अमेरिकी डॉलर के बराबर थी। भारत की बैलेंस शीट पर कोई विदेशी उधार नहीं था।
- 1920 के दशक में रुपए की क्रय शक्ति मजबूत थी, लेकिन उस वक्त भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था। तब मुद्रा का मूल्य सोने और चांदी से जुड़ा हुआ था।
- 1947 स्वतंत्रता के बाद भारत ने मुद्रा को स्थिर रखने के लिए मौद्रिक नीतियां अपनाईं। उस वक्त एक अमेरिकी डॉलर एक रुपये के बराबर था।

इकानॉमी के लिए ठीक नहीं ये गिरावट

गौरतलब है कि जब किसी देश की करेंसी तेजी से टूटती है, तो इसे उस देश की इकानॉमी के लिए ठीक नहीं माना जाता है। ऐसे में रुपया में गिरावट पर ब्रेक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाना बेहद जरूरी है। इसके तमाम तरह के नुकसान देखने को मिलते हैं, जिनमें महंगाई बढ़ने का जोखिम सबसे आगे है।

कब रुपया डॉलर से जुड़ा

1971 में रुपये का ब्रिटिश मुद्रा से संबंध टूट गया और इसे सीधे अमेरिकी डॉलर से जोड़ दिया गया। 1975 में भारतीय रुपए का मूल्य एक डॉलर के मुकाबले 8.39 आंका गया था। 'यूएस डॉलर टू इंडियन रुपी' टॉपिक पर गूगल पर भी खूब सर्च किया गया।

18 साल स्थिर रहा रुपया

आज़ादी के बाद भारत ने एक निश्चित दर वाली मुद्रा प्रणाली को अपनाने का फ़ैसला किया था। 1948 से 1966 के बीच डॉलर के मुक़ाबले रुपया 4.79 पर स्थिर था। लगातार दो युद्धों 1962 में चीन के साथ और 1965 में पाकिस्तान के साथ ने भारत के बजट पर भारी घाटा दिया, जिससे सरकार को डॉलर के मुकाबले मुद्रा का अवमूल्यन कर 7.57 पर लाना पड़ा।

उत्तर भारतीय सम्मान समारोह का अयोजन हुआ

मुंबईः आगमी मुंबई महानगरपालिका चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। प्रमुख राजनितिक दलों की ओर से जगह जगह स्नेह सम्मेलन और समारोह का अयोजन शुरू कराया गया है। इसी तरह असल्फा वार्ड क्रमांक 161की पूर्व नगरसेविका लीना हरीश शुक्ला की ओर से साकीनाका के सेठिया हाल में उत्तर भारतीय समाज का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जिसमें मुख्य अतिथि विधायक दिलीप मामा लांडे, उत्तर भारतीय संघ चांदीवली के अध्यक्ष राम भाई दुबे, समाज सेवक गोविंद पांडे, राजेश शुक्ला, बनवारी पाण्डेय, धनंजय दुबे, मदन यादव, सन्देश मिश्रा, प्रशांत शुक्ला, अमर सिंह, संदीप दुबे, पंकज पाण्डेय, मचमच पांडे, गुड्डू तिवारी के अलावा सैकड़ों की संख्या में महिलाएं भी उपस्थित थी।

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का वर्चुअल टूरः कमल-थीम वाले इंटीरियर, फैंसी चेक-इन काउंटर, पहली उड़ान...

नवी मुंबई : नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए) 25 दिसंबर को अपनी पहली व्यावसायिक उड़ानों का स्वागत करने के लिए तैयार है और तैयारियाँ तेजी से आगे बढ़ रही हैं। 29 और 30 नवंबर को, हवाई अड्डे ने अपना पहला पूर्ण-स्तरीय एकीकृत यात्री परीक्षण पूरा कर लिया, जो परिचालन शुरू होने से पहले एक महत्वपूर्ण कदम है। ऑनलाइन शेयर किया गया एक वीडियो लोगों को हवाई अड्डे के अंदरूनी हिस्से और समग्र

डिजाइन की नजदीकी झलक दिखा रहा है। इस क्लिप ने लोगों का व्यापक ध्यान आकर्षित किया है क्योंकि इसमें दिखाया गया है कि यात्री के प्रवेश करते ही नया हवाई अड्डा कैसा दिखता है। वीडियो की शुरूआत एक डिजिटल क्रिएटर द्वारा एनएमआईए के प्रवेश द्वार की ओर बढ़ते हुए दिखाई देती है। वह हवाई अड्डे का परिचय देते हुए कहता है, हम नवी मुंबई हवाई अड्डे पर हैं, और यह मेरा पहला बोर्डिंग पास है। आप प्रवेश द्वार पर डिजी यात्रा की मदद से यहाँ प्रवेश कर सकते हैं। अभी, मैं अपने बोर्डिंग पास की मदद से यहाँ प्रवेश कर रहा हूँ। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अंदर आगे बढ़ते हुए, वह मुख्य हॉल दिखाते हैं, जिसमें कमल की थीम पर एक विशाल डिजाइन है। दोनों तरफ लगी दो विशाल डिजिटल स्क्रीन उच्च-रिजॉल्यूशन वाले दृश्य प्रदर्शित करती हैं, और वह बताते हैं कि इस थीम में कमल और पानी के प्रभावों का कैसे संयोजन है। वह बताते हैं कि डिस्प्ले पर लगे कैमरे उनकी छवि को स्पष्ट रूप से कैप्चर करते हैं, जिससे जगह का आधुनिक एहसास और भी बढ़ जाता है। इसके बाद वह एनएमआईए चेक-इन क्षेत्र में जाते हैं। यहाँ, वह दिखाते हैं कि यात्री कैसे अपना सामान जमा कर सकते हैं और अपने बोर्डिंग पास का सत्यापन करवा सकते हैं। हवाई अड्डे पर स्वचालित चेक-इन काउंटर भी हैं, जिससे यह प्रक्रिया तेज हो जाती है। इसके बाद, वह सुरक्षा अनुभाग में जाते हैं।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202511020700073

विषयः- अ-6अ

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सन्नः- 2025-2026

रनपुरकला प.ह.न. 00029 [(हे0)]

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार गंगा राम यादव.

अनावेदक पक्षकार -छ०ग० शासन,

ईश्तहार

आवेदक गंगा राम यादव आ० स्व० बजरंग यादव व अन्य, निवासी ग्राम रनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदकगण के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम रनपुरकला स्थित खसरा नंबर 45/6, 46/2, 203/2, 205/1, 206/1, 207/1, 352/3, 586/71 कुल खसरा नंबर 08 कुल रकबा 0.686 हे० भूमि के राजस्व रिकार्ड में आवेदकगण के पिता का नाम त्रुटिवश बजरंग राम दर्ज हो गया है. जबकि वास्तविक नाम बजरंग यादव है। इसी प्रकार आवेदक क्रमांक 01 का नाम गंगा प्रसाद आ० बजरंग राम त्रुटिवश दर्ज हो गया है जबकि वास्तविक नाम गंगा राम यादव आ० स्व० बजरंग यादव है तथा आवेदक क्रमांक 02 का नाम त्रुटिवश मंगलेश्वरी आ० बजरंग राम दर्ज हो गया है, जबकि वास्तविक नाम मंगलेश यादव आ० स्व० बजरंग यादव है। आवेदकगण के द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/12/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/11/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील - अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

इश्तहार

रा०प्र०क्र०- /अ-6/2025 26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रंजीता बौरी पति रजत बौरी, उम्र 51 वर्ष, निवासी बोरीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि अनावेदक रजत कुमार बौरी आ०स्व० कृष्ण कुमार बोरी, उम्र 55 वर्ष, निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व आधिपत्य की शीट न. 03, मोहल्ला शीतला वार्ड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 1165/15 रकबा 140 वर्गफीट भूमि तथा उस पर निर्मित दुकान/गोदाम का पंजीबद्ध दान पत्र दिनांक 07.11.2025 का निष्पादन आवेदिका के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर उक्त नजूल भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध दान पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 22/12 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्वात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 02/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो० नसीमा आ० सिद्दीक अंसारी व अन्य वगै० जाति मुसलमान निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2536/3 रकबा 0.013 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 19/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),
अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र० 202510021700035/ब-121/2024-25

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भागीरथ सरकार आ० स्व० हरिशचन्द्र सरकार, निवासी ग्राम किशुननगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम किशुननगर स्थित भूमि खसरा नंबर 477/3 रकबा 0.270 हे0 में से 0.260 हे0 (65 डिसमिल) भूमि अपने पिता की मृत्यु उपरांत कर्ज चुकाने एवं स्वयं के व्यवसाय हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक शिव अग्रवाल आ० रामचन्द्र अग्रवाल, निवासी देवीगंज रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) को रू० 8,00,000/- (आठ लाख रुपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08/12/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 10/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार/कार्यपालिक दंडाधिकारी रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छग)

//ईस्तहार//

राप्र क्रमांक इ/12/24-25

आम जनता ग्रामवासी ग्राम तिवरागुड़ी (मकरंदीपुर) को सूचित किया जाता है कि श्री राम प्रसाद आ० श्री सिफल सिंह जाति गोंड़ निवासी ग्राम तिवरागुड़ी थाना रामानुजनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छग) द्वारा अपने पिता सिफल सिंह आ० भोठी का मृत्यु दिनांक 17/11/1992 सत्रह नवंबर सन् उन्नीस सौ बानबे को होने से अपने पिता सिफल सिंह आ० भोठी का मृत्यु प्रमाणपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिस पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। जिस किसी आम जनता/ ग्रामवासियों को कोई आपत्ति/ आक्षेप हो तो वह अपना आपत्ति दिनांक 09/12/2025 को इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है नियत तिथि के पस्चात कोई विचार नहीं किया जाएगा एवं अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।

दिनांक 24/06/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार कार्यपालिक
दंडाधिकारी रामानुजनगर
जिला सूरजपुर (छग)

न्यायालय तहसीलदार, कुनकुरी जिला-जशपुर (छ०ग०)

उद्घोषणा

रा०प्र०क्र०//बी-121/2025-26

ग्राम- पण्डरीपानी तहसील कुनकुरी।

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामीण आम जनता सूचित किया जाता है आवेदक / आवेदिक प्रभा तिर्की पिता/पति रंजित तिर्की साकिन पण्डरीपानी प०ह०नं० 23 तहसील-कुनकुरी जिला-जशपुर (छ.ग.) ने अपने स्वंम प्रभा तिर्की के जन्म दिनांक 10/08/1973 का पंजीयन आदेश बाबत आवेदन पेश किया है। जो न्यायालय में प्रकरण लिखित है। अतः जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति पेश करना हो तो दिनांक 05/12/2025. के पूर्व स्वतः या अधिकृत व्यक्ति के माध्यम में पेश कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। किया गया है। यह उद्घोषणा आज दिनांक 20/11/2025. को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर में जारी

तहसीलदार कुनकुरी,
जिला-जशपुर (छ०ग०)

महानिदेशालय निर्देश पर 37 खदाने हुई बंद

डाला सोनभद्र।सोनभद्र का क्रशर परिवहन जैसे ही चालू हुआ क्षेत्र में पट्टेदारों में खुशी की लहर दौड़ गया मानों मौत के सौदागरों को यमराज का राजभवन मिल गया हो। वही भारत सरकार मंत्रालय श्रम एवं रोजगार ,खान सुरक्षा निदेशालय द्वारा कार्य सूचनाओं के माध्यम से अवगत कराते हुए प्रभावित कर दिया गया खान सुरक्षा महानिदेशालय वाराणसी क्षेत्र वाराणसी द्वारा जारी पत्र एस 290/3 दिनांक 2/12/2025 के द्वारा लगभग 37 खादानों को सुरक्षा मानक की अवहेलना में बंद कर दिया गया। जारी पत्र मिलते ही खनन क्षेत्र में सन्नाटा छा गया। वही यूनियन द्वारा प्रदेश सरकार के राजस्व व पट्टेदारों की सुध लेने बातें सामने आने लगी। खान सुरक्षा निदेशक वाराणसी क्षेत्र वाराणसी ने जिलाधिकारी सोनभद्र को पत्रक के माध्यम से अवगत कराया कि जनपद-सोनभद्र, तहसील ओबरा, ग्राम बिल्ली मारकुण्डी, के स्वीकृत डोलो स्टोन / पत्थर खदानों में इस निदेशालय के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया था, जिसके दौरान धात्विक खान विनियम, 1961 का गंभीर उल्लंघनों के लिए खान अधिनियम, 1952 की धारा 22 (3) एवं 22अ (2) के तहत आदेश अधिसंचित किया गया है और कार्यवाही हेतु इसकी सूचना आपके कार्यालय को भी प्रदान की गयी है। उक्त उल्लंघनों के अनुपालन करने के लिए वर्तमान में भी खदान मालिकों को सुधार की योजना (रूाँ ड्डा शीूर्ञ्ॾ्रड्ढल्ल) एवं अद्ययति खान का नक्शा (४स्र्३िल्ली स्र्ल्ल) 15 दिनों के अंदर जमा करने हेतु पत्र भेजा गया था, जिसकी प्रतिलिप आपके कार्यालय में भेजी गयी थी, परंतु अब तक किसी भी खदान मालिक द्वारा एवं जमा नहीं किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि खादान मालिक उल्लंघनों के निराकरण के प्रति गंभीर नहीं हैं। खनन पट्टेधारकों द्वारा उक्त उलंघन का पूर्ण अनुपान हेतु ठोस कदम नहीं उठाया जाता है। तथा खदान में सुधार हेतु योजना, उसके अनुमोदन एवं अनुपालन हेतु व्यवस्था नहीं कर ली जाती है तथा इस निदेशालय द्वारा सुधार की योजना के अनुरूप कार्य संचालित करने हेतु आदेश जारी नहीं किया जाता है तब तक खदान का खनन कार्य पूर्ण रूप से बंद रहेंगे। खनिज का परिवहन बंद रखा जाए।

कोरिया में 8 दिसंबर को रिलीज होगी लव इन वियतनाम...

मुंबई। शांतनु माहेश्वरी और अवनीत कौर स्टारर 'लव इन वियतनाम' चार महीने पहले अगस्त में भारत में रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। अब भारत के बाद 'लव इन वियतनाम' कोरिया में रिलीज होने वाली है। राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित 'लव इन वियतनाम' 8 दिसंबर को कोरिया में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म भारत में 12 सितंबर को रिलीज हुई थी। यह सबाहतिन अली के सबसे ज्यादा बिकने वाले उपन्यास 'मैडोना इन अ फर कोट' से प्रेरित एक दिल दहला देने वाली प्रेम कहानी है। यह हिंदी सिनेमा में भारत-वियतनाम के बीच पहला सहयोग है। लव इन वियतनाम के कोरिया में रिलीज होने पर फिल्म की कास्ट ने खुशी जताई।

लाइफ Style

एला

खूबसूरत लुक से लूटी लाइमलाइट

एजेंसी ▶▶ पेरिस

पेरिस में हर साल 'ले बाल डेस डेब्यूटेंट्स' आयोजित होता है, जिसे ले बाल भी कहा जाता है। यह एक सालाना फैशन इवेंट है, जहां दुनियाभर के प्रतिष्ठित व शाही परिवारों की बेटियां डेब्यू करती हैं। इस साल एला वाडिया ने उपस्थिति दर्ज कराई और अपने लुक से इस इवेंट में छा गईं।

फैशन इवेंट 'ले बाल' हर साल नवंबर में पेरिस में आयोजित होता है। यहां दुनियाभर के फिल्म, राजनीति, बिजनेस व अन्य प्रतिष्ठित घरानों की बेटियां इंटरनेशनल सोसाइटी के सामने औपचारिक रूप से रूबरू होती हैं। यह सिर्फ फैशन से जुड़ा इवेंट नहीं है, बल्कि इसका ताल्लुक पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा और प्रतिष्ठा से भी है। इस बार भारतीय एला वाडिया ने भी इवेंट में उपस्थिति दर्ज कराई और छा गईं। पेरिस के इस इवेंट में भारतीय नाम एला वाडिया की चर्चा हो रही है। मगर, उनका कनेक्शन मोहम्मद अली जिन्ना से है। बता दें कि एला वाडिया भारत के प्रतिष्ठित बिजनेस घराने वाडिया ग्रुप से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता जहांगीर वाडिया का ताल्लुक बॉम्बे डाइंग, बॉम्बे रियलिटी और गो फर्स्ट जैसी कंपनियों से रहा है। वहीं, मां सेलीना वाडिया फैशन डिजाइनर हैं। एला वाडिया अगर भारत के वाडिया ग्रुप से ताल्लुक रखती हैं तो मोहम्मद अली जिन्ना से उनका कनेक्शन कैसे हुआ? इसका जवाब यह है कि जिन्ना की बेटी दीना जिन्ना ने नेविल वाडिया से शादी की थी। उनके बेटे नुस्ली वाडिया हुए। नुस्ली वाडिया ग्रुप के चेयरमैन हैं। उनके दो बेटे-नेस वाडिया और जहांगीर वाडिया हैं।

हॉलीवुड मसाला

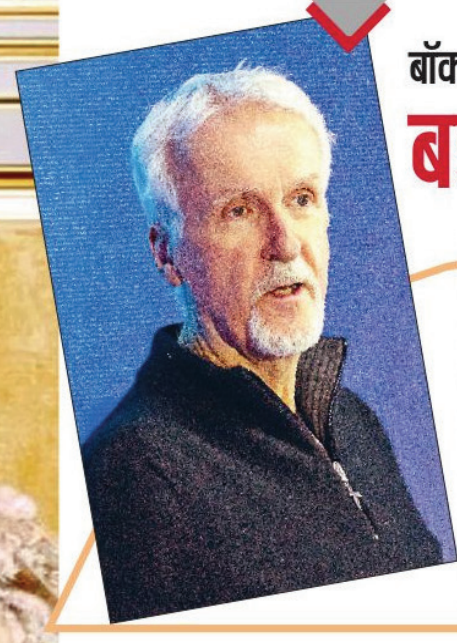

बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ा सम्राट

नई दिल्ली। जेम्स कैमरून अकेले ऐसे निर्देशक हैं जिनकी दो फिल्मों ने दुनिया के बॉक्स ऑफिस पर नंबर 1 का ताज पहना, टाइटैनिक और अवतार. नोलन की फिल्मों ने भी शानदार सफलता हासिल की है, लेकिन कैमरून की फिल्मों का प्रभाव ऐसा है जिसके सामने हर रिकॉर्ड छोटा पड़ जाता है। वे सिर्फ फिल्में नहीं बनाते, वे बॉक्स ऑफिस की दिशा बदल देते हैं। नोलन कहानी और संरचना के उस्ताद हैं, लेकिन कैमरून ने सिनेमा की तकनीक का भविष्य गढ़ा है।

शादी के 7 साल पूरे होने का मनाया जश्न

लॉस एंजिल्स। देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की शादी को 7 साल बीत चुके हैं। मंगलवार को प्रियंका और निक की वेडिंग एनिवर्सरी थी। इस खास मौके पर निक ने प्रियंका की एक हॉट तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की और एक खास नोट भी लिखा। इसमें प्रियंका समुद्र किनारे लेटी हुई हैं, पीठ कैमरे की तरफ है। निक ने लिखा, 'मेरी ड्रीम गर्ल से शादी को 7 साल हो गए।' कथित तौर पर प्रियंका और निक की लव स्टोरी की शुरुआत ट्विटर से हुई थी। दरअसल, निक ने ट्विटर (एक्स) पर प्रियंका को मैसेज भेजा था। फिर दोनों मैसेज करने लगे। साल 2017 में पहली बार वैनिटी फेयर ऑस्कर पार्टी में मिले। इसके बाद 2017 के मेट गाला में साथ रेड कार्पेट पर नजर आए। 2018 में इनकी डेटिंग की खबरें आईं।

मिसेज देशपांडे का ट्रेलर रिलीज...

मुंबई। एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित अपने नए शो 'मिसेज देशपांडे' के साथ ओटीटी पर आने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नागेश कुकुनूर के निर्देशन में बना शो 'मिसेज देशपांडे' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि माधुरी दीक्षित का किरदार कुछ लोगों को रस्सी के जरिए मार देता है। पुलिस केस की जांच करती है और कहती है कि इन लोगों को नायलॉन की रस्सी से मारा गया है और शीशे के सामने बॉडी को रखा गया है। लगता है 25 साल पहले वाली कोई सीरियल किलर है। ट्रेलर में पुलिस माधुरी से पूछताछ करती हैं। माधुरी कहती हैं, मैं यहां अंदर हूं। इसका मतलब कोई बाहर है, जो मेरी नकल कर रहा है। इसके बाद माधुरी पुलिस वाले से डील करती हैं। वह कहती हैं आपको मेरी मदद की जरूरत है लेकिन मुझे बदले में कुछ चाहिए।

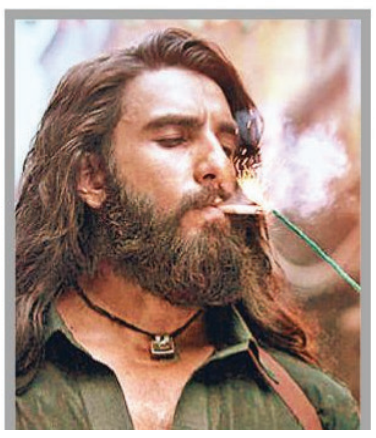

धुरंधर के टाइटल ट्रैक पर किया धांसू डांस

मुंबई। मुंबई में सोमवार को रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म 'धुरंधर' का म्यूजिक एल्बम लॉन्च हुआ। इस मौके पर रणवीर ने फिल्म के टाइटल ट्रैक पर मंच पर खूब डांस किया और अपनी धमाकेदार एनर्जी से सबको हैरान कर दिया। रणवीर का यह वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस कार्यक्रम में रणवीर के साथ अभिनेत्री सारा अर्जुन और रैपर-गायक हनुमानकाइंड भी मौजूद थे। रणवीर पूरे काले कपड़ों में थे और बहुत स्टाइलिश लग रहे थे। जैसे ही टाइटल ट्रैक बजा, वे मंच पर नाचने लगे और दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। यह गाना हनुमानकाइंड और जैस्मीन सैंडलस ने गाया है। रणवीर का यह डांस सोशल मीडिया पर फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। फैंस ने सोशल मीडिया पर रणवीर की तारीफों के पुल बांधे हैं।

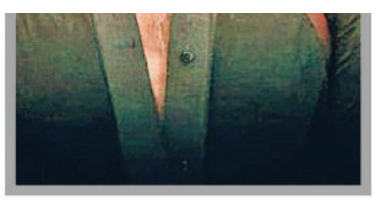

टीवी मसाला

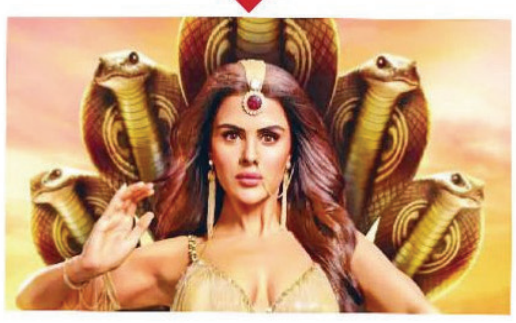

7वें सीजन के साथ लौट रहा एकता का सुपर नेचुरल शो नागिन...

नई दिल्ली। एक और मजेदार ड्रामा के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि एकता कपूर का मोस्ट अवेटेड शो नागिन सातवें सीजन के वापस आ रहा है। जिसमें प्रियंका चाहर चौधरी को रहस्यमयी नागिन का रोल निभाने के लिए लिया गया है। 29 साल की एक्ट्रेस को बिग बॉस सीजन 16 में सेकंड रनर-अप रहने के बाद पहचान मिली थी। प्रियंका से पहले नागिन का आइकॉनिक रोल मौनी रॉय, सुरभि ज्योति, निया शर्मा, सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश ने किया था। इस शो को दर्शकों ने बहुत पसंद किया है और अब एकता कपूर के शो का 7वां सीजन फिर से भरपूर एंटरटेनमेंट करने के लिए तैयार है। हिंदी सोप-ओपेरा का सातवां सीजन 27 दिसंबर से कलर्स टीवी चैनल पर हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे एयर होना शुरू होगा। नागिन सीजन 7 उसी तारीख को उसी समयजियोहॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा। सीजन 7 इस दिसंबर में अपना जादू चलाने के लिए तैयार है। नागिन सीजन 7 के लेटेस्ट प्रोमो में प्रियंका चाहर चौधरी को एक मासूम औरत से रूप बदलने वाली नागिन में बदलते हुए दिखाया गया है। कहानी महाकुंभ मेले पर सेट है, जो एक आने वाले 'महायुद्ध' (बड़े युद्ध) का इशारा देती है। जहां ईशा सिंह का कैरेक्टर प्रियंका के साथ नाग मंदिर को घूरता हुआ दिखाई देता है, जिसका डुअल-लुक सामने आता है, वहीं करण कुंद्रा का कैरेक्टर चेतावनी देता है कि तबाही शुरू हो गई है।

मैं शेर नहीं जंगल का मालिक हूं : गौरव

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 अब खत्म होने जा रहा है। शो का फिनाले 7 दिसंबर को होने वाला है, जिसमें पता चल जाएगा कि इस साल बिग बॉस की ट्रॉफी कौन अपनो घर लेकर जाने वाला है। शो के फिनाले वीक में मीडिया कंटेस्टेंट से मिलने के लिए आती है जिसमें पूरे सीजन के तीखे सवाल उनसे पूछे जाते हैं। इस सीजन में मीडिया एपिसोड में कुछ ऐसा हुआ है, जो आजतक बिग बॉस की हिस्ट्री में नहीं हुआ है। गौरव खन्ना कहते हैं, 'अगर मैं जनता के प्यार से विनर बन गया तो मैं आपको बता रहा हूं शायद आप न माने, ये बहुत से लोगों के लिए इंस्पिरेशन रहेगा कि आप बिना गाली-गलौज किए, बिना गलत स्टैंड लिए भी शो जीत सकते हैं। अगर मैं अभिनय कर रहा हूं तो मुझे ऑस्कर दिया जाए। कोई भी एक्टर ऐसे शो में 24 घंटे इस तरह से एक्टिंग नहीं कर सकता है। ये बात मैं नहीं हमारे शो के सुपरस्टार सलमान सर हैं, उन्होंने ही बोला है। हैट्स ऑफ इस लड़के को अगर ये एक्टिंग है। मैं शेर नहीं, उस जंगल का मालिक हूं, जिसमें शेर छुपकर घूमते हैं।' गौरव का ये जवाब सुनकर रिपोर्ट्स उनके लिए ताली बजाने लगते हैं।

राजासाब से बोमन का हाथ में छड़ी तिरछी नजर और इंटेंस लुक आउट

नई दिल्ली। हॉरर फैंटेसी फिल्म 'द राजासाब' के मेकर्स ने बोमन ईरानी के जन्मदिन पर उनका एकदम नया लुक पोस्टर दिखाया, जो इंडियन सिनेमा के सबसे वर्सेटाइल परफॉर्मर्स में से एक को ट्रिब्यूट है। मारुति के डायरेक्शन में बनी 'द राजासाब' एक आने वाली तेलुगु फिल्म है जिसमें प्रभास लीड रोल में हैं और यह जनवरी 2026 में संक्रांति के त्योहार के मौसम में थिएटर में रिलीज होगी। द राजासाब में बोमन ईरानी एक साइकेट्रिस्ट, हिप्नोटिस्ट और पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर का रोल निभा रहे हैं। यह एक ऐसा कैरेक्टर है जो इंटेलेक्चुअल और मिस्टीसिज्म से भरा हुआ है। फिल्म के ट्रेलर में पहले ही दिखाया गया है कि वह प्रभास के हीरो को हिप्नोसिस में डालते हैं, जिससे कहानी का पहला बड़ा ट्विस्ट आता है और कहानी की इमोशनल पल्स शुरू होती है। राजासाब को पीपल मीडिया

फैक्ट्री और आईवीवाई एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार और संजय दत्त भी हैं। यह फिल्म 9 जनवरी, 2026 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

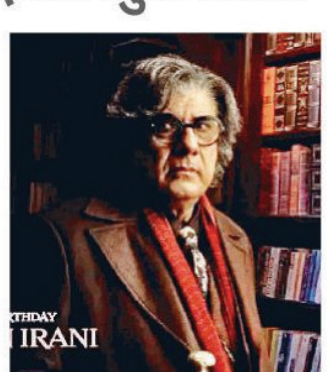

वो पांच अभिनेत्रियां, जिन्होंने अपनी सहेली के पति से रचाया विवाह

नई दिल्ली। बॉलीवुड में कई ऐसी लव स्टोरीज हुई हैं जो दोस्ती से प्यार में बदल गईं, लेकिन कुछ मामलों में ये विवादों का कारण भी बनीं। यहां हम बात कर रहे हैं उन पांच एक्ट्रेस की, जिन्होंने अपनी करीबी सहेली के पति से शादी की। बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने अपनी सहेली के पति से शादी रचाई है, भले ही वो उनकी दूसरी बीवी कहलाईं। इस लिस्ट में पांच अभिनेत्रियों के नाम शामिल हैं, जिनके बारे में सुनकर आपको जरूर हैरानी होगी। ये बॉलीवुड की सबसे कंट्रोवर्शियल लव स्टोरीज में से एक हैं, जिनके बारे में जानकर आपको हैरानी जरूर होगी।

हंसिका मोटवानी : टीवी, साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुकीं हंसिका ने 2022 में बिजनेसमैन सोहेल कठूरिया से शादी की। लेकिन शादी से पहले ये खबरें आईं कि सोहेल उनकी दोस्त रिंकी बाजाज के पहले पति थे। रिंकी के साथ उनकी दोस्ती टूट गई और ये मामला काफी चर्चा में रहा। हालांकि, हाल ही में रिपोर्ट्स में उनकी शादी में दरार और उनके अलग रहने की अफवाहें सामने आई थीं।

शिल्पा शेट्टी : फिटनेस फ्रीक शिल्पा शेट्टी ने 2009 में राज कुंद्रा से शादी की। राज पहले कविता कुंद्रा से शादीशुदा थे, जो शिल्पा की अच्छी दोस्त थीं। तलाक के बाद राज और शिल्पा ने शादी की, जिससे बॉलीवुड में खूब गॉसिप हुई। आज दोनों खुशहाल हैं और दो बच्चों के माता-पिता हैं।

अमृता अरोड़ा : *मलाइका अरोड़ा की बहन अमृता ने 2002 में बिजनेसमैन शकील लदाक से शादी की। शकील पहले निशा राणा से शादीशुदा थे, जो अमृता की क्लोज फ्रेंड थीं। तलाक के बाद अमृता ने शकील से शादी की। ये जोड़ी आज भी स्ट्रॉन्ग है। शकील की नेट वर्थ करीब 87 करोड़ रुपये बताई जाती है।*

सोनिया कपूर : *टीवी एक्ट्रेस सोनिया कपूर ने 2018 में हिमेश रेशमिया से शादी की। हिमेश पहले कोमल से शादीशुदा थे, और कोमल सोनिया की अच्छी सहेली थीं। 2017 में हिमेश-कोमल का तलाक हुआ, उसके बाद सोनिया ने हिमेश से शादी की। इस शादी ने भी काफी सुर्खियां बटोरीं।*

रवीना टंडन : *रवीना ने 2004 में फिल्ममेकर अनिल थडानी से शादी की। अनिल पहले नताशा सिप्पी से शादीशुदा थे, जो बॉलीवुड प्रोड्यूसर रोमू सिप्पी की बेटी और रवीना की बेस्ट फ्रेंड थीं। रवीना और अनिल की मुलाकात फिल्म 'स्टंप्ड' के सेट पर हुई, और अनिल के तलाक के बाद दोनों ने शादी कर ली।*

पहली बार किसी रीजनल भाषा की फिल्म ने छुई हैं इतनी ऊंचाइयां

रिलीज से पहले ही इस सस्पेंस थ्रिलर ने कमाए 350 करोड़

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर कमाई की तय करती है कि कोई फिल्म सक्सेसफुल हुई या नहीं। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर सफल होने के लिए पहले फिल्म को थिएटर्स में रिलीज होना पड़ता है, जिसके बाद ऑडियंस फिल्म देखती है और अगर फिल्म अच्छी निकली तब ज्यादा से ज्यादा दर्शक उसे देखने आते हैं। लेकिन, एक फिल्म ऐसी भी है जिस पर लोग आंख मुंदकर भरोसा कर रहे हैं, वो भी इतना कि अभी इस फिल्म का एक सीन भी शूट नहीं हुआ है और इसने बिना रिलीज हुए ही 350 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया है।

लोका : चैप्टर 1 को छोड़ा पीछे

यह एक मलयालम फिल्म है जिसकी शूटिंग अभी शुरू भी नहीं हुई है और इसने पहले ही 350 करोड़ रुपए की जबरदस्त कमाई कर ली है। यह फिल्म है दृश्यम 3 जो सबसे सफल सिनेमाई फ्रेंचाइजी में से एक का आखिरी चैप्टर है, जिसका सबको इंतजार था और इसकी प्री-रिलीज कमाई ने अब हाल की कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है, जिसमें मशहूर लोका: चैप्टर 1 भी शामिल है।

दृष्यम 3 को लेकर बढ़ा क्रेज

मोहनलाल और जीतू जोसेफ दृष्यम 3 को लेकर वापस आ गए हैं और फिल्म को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं, खासकर प्रोड्यूसर एम रंजीत के एक चौंकाने वाले खुलासे के बाद। फिल्म के बारे में बात करते हुए, रंजीत ने कन्फर्म किया कि प्रोजेक्ट ने प्री-रिलीज बिजनेस में पहले ही 350 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रोड्यूसर कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक के पैनोरमा स्टूडियोज ने फिल्म के थिएट्रिकल, ओवरसीज और डिजिटल राइट्स के साथ-साथ हिंदी वर्जन बनाने के राइट्स भी खरीद लिए हैं। इस डील ने मलयालम इंडस्ट्री में एक नया बेंचमार्क सेट किया है, यह पहली बार है जब किसी रीजनल भाषा की फिल्म ने बिना फुटेज, टीजर या स्टिल्स के इतनी ऊंचाइयां छुई हैं।

कहानी कहने का एक कल्चरल सिंबल बन गई

बारह सालों में दृश्यम एक मामूली बजट वाली सस्पेंस ड्रामा से मलयालम कहानी कहने का एक कल्चरल सिंबल बन गई है। पहली फिल्म ने 100 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए, दूसरी ने महामारी को हराकर 350 करोड़ रुपए का आंकड़ा छुआ और तीसरी ने एक भी फ्रेम कैप्चर होने से पहले ही रिकॉर्ड बना दिए। अब सबसे बड़ा सस्पेंस बॉक्स ऑफिस नंबर्स में नहीं, बल्कि कहानी में है, कौन सी कहानी उन उम्मीदों के लेवल से मेल खा सकती है जो उसने पहले ही जगा दी हैं? सिर्फ जीतू जोसेफ और मोहनलाल के पास स्क्रिप्ट है और देश भर के दर्शक यह देखने का इंतजार कर रहे हैं कि आखिरी चैप्टर कैसे सामने आएगा।

रिलीज से पहले मचाई हलचल

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दृश्यम 3 ने शूटिंग शुरू होने से पहले ही 350 करोड़ रुपए के क्लब में एंट्री कर ली है। एक प्रोजेक्ट जो अभी भी प्रोडक्शन स्टेज में है, इस कामयाबी ने फिल्म ट्रेड और फैंस दोनों में हलचल मचा दी है। जो बात इस कामयाबी को और भी खास बनाती है, वह है वह सफर जिसने इस फ्रेंचाइजी को यहां तक पहुंचाया। जब दृश्यम पहली बार 2013 में रिलीज हुई थी, तो यह सिर्फ 3 करोड़ रुपए में बनी एक छोटी मलयालम थ्रिलर के तौर पर आई थी। पहली फिल्म से यह दर्शको के बीच एक पसंदीदा थ्रिलर बन गई और इसके दूसरे पार्ट को भी अपार सफलता मिली।

हिंदी वर्जन में की धांसू कमाई

जीतू जोसेफ के डायरेक्शन में बनी और मोहनलाल और मीना स्टारर यह फिल्म जल्द ही पूरे देश में सेंसेशन बन गई, यहां तक कि जापान में भी इसके बहुत सारे फैंस बन गए। इसकी दिलचस्प कहानी ने जल्द ही तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में रीमेक बनाने की प्रेरणा दी। जीतू जोसेफ ने खुद कमल हासन के साथ तमिल अडैप्टेशन डायरेक्ट किया, जबकि श्रीप्रिया ने तेलुगु वर्शन की जिम्मेदारी संभाली, पी वासु ने कन्नड़ रीमेक को डायरेक्ट किया और स्वर्गीय निशिकांत कामत ने अजय देवगन और श्रेया सरन स्टारिंग हिंदी एडिशन को डायरेक्ट किया। अकेले हिंदी वर्जन ने लगभग 1,800 करोड़ रुपए कमाए, जिससे इस फ्रेंचाइजी की पहचान भारत की सबसे मजबूत स्टोरीटेलिंग एक्सपोर्ट्स में से एक के तौर पर पक्की हो गई।

पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किसानों की सुविधा को दें प्राथमिकता : जयवर्धन

0 जिले के विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण
0 किसानों से बातचीत कर व्यवस्था की ली जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को कलेक्टर एस. जयवर्धन जिले के विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बसदई, शिवप्रसादनगर, संवारांवा, रामपुर तथा ओड़गी धान खरीदी केन्द्रों में व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत कर खरीदी केंद्रों की व्यवस्था की भी जानकारी ली।कलेक्टर ने धान खरीदी की वर्तमान स्थिति, किसान पंजीयन, रकबा समर्पण तथा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित हो और किसान को किसी प्रकार की भी समस्या न हो। साथ ही उन्होंने टोकन व्यवस्था, तौल मशीन और धान में नमी स्थिति का निरीक्षण करते हुए धान भंडारण की व्यवस्था की भी जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों और समिति प्रबंधकों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किसानों की सुविधा को प्राथमिकता दी जाए।

एसडीएमद्वय भी केंद्रों में पहुँचे निरीक्षण पर

जिले में धान खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित हो, इसका निरीक्षण करने हेतु कलेक्टर के निर्देशन में एसडीएम सूरजपुर एवं एसडीएम ओड़गी द्वारा भी विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। एसडीएम सुश्री शिवानी जायसवाल ने सूरजपुर धान खरीदी केंद्र पहुंचकर संपूर्ण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, तौल प्रक्रिया, टोकन व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। वहीं, एसडीएम ओड़गी अजय मोड़ीयम द्वारा धान खरीदी केंद्र समिति उमेश्वरपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि समिति में अब तक 81सौ क्विंटल धान का क्रय किया जा चुका है और किसानों के लिए पर्याप्त बारदाना उपलब्ध है। उन्होंने धान खरीदी में पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

तेलईमुड़ा में व्यवसायी के गोदाम व पिकप से 250 बोरा अवैध धान जप्त

शासन के निर्देशानुसार अवैध धान परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में रामानुजनगर एसडीएम के नेतृत्व में ग्राम तेलईमुड़ा में बड़ी कार्रवाई की गई। राजस्व अमले को सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम तेलईमुड़ा के व्यापारी द्वारा अवैध रूप से धान का भंडारण किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक करते हुए एसडीएम श्री मोडियम ने अपनी टीम के साथ मौके पर दबिश दी।

छापेमारी के दौरान व्यापारी राजेश साहू के गोदाम और परिसर की जांच की गई, जिसमें गोदाम से 190 बोरा धान एवं पिकअप वाहन से 60 बोरा धान कुल 250 बोरा धान को सील कर दिया गया है। जब्त किए गए धान और पिकअप वाहन को थाना रामानुजनगर को सुपुर्द कर दिया गया है। धान के अवैध भण्डारण पर मंडी अधिनियम के तहत अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास हेतु कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर के तत्वाधान में तथा कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा एस. जयवर्धन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजेन्द्र सिंह पाटले के निर्देशानुसार यहां के कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा एवं जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यशाला का प्रारंभ सहायक परियोजना समन्वयक शोभनाथ चौबे के उद्बोधन से हुआ। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर की भूमिका का निर्वहन प्रमोद कुमार टण्डन तथा राधानन्दी द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग बच्चों के दैनिक जीवन कौशल, थैरेपी, दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया, प्रदत्त एलाउंस, सहायक उपकरणों के रख-रखाव, बच्चों की देखभाल तथा शासन की विभिन्न योजनाओं संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक संचालक समग्र शिक्षा रविन्द्र सिंह देव, दिनेश द्विवेदी, सुरविन्द गुर्जर, तथा आया एवं अटेंडर मंजू दूबे, बलराम ठाकुर, सुदर्शन दास एवं ईश्वर सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अवैध धान परिवहन पर कलेक्टर की कड़ी निगरानी

देर रात अंतर्राज्यीय अनिरुद्धपुर नाका का आकस्मिक निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने बीते दिवस देर रात लगभग 1 बजे तहसील रामचंद्रपुर के अंतर्गत अंतर्राज्यीय अनिरुद्धपुर नाका पहुंचकर अवैध धान परिवहन की रोकथाम हेतु आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटीरत कर्मचारियों को आने वाले समस्त वाहनों की जांच कर रजिस्टर में एंट्री करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कटारा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीमा नाकों पर चौकसी और अधिक बढ़ाई जाए और बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों की सघन जांच करें तथा संदिग्ध पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन कि सर्वोच्च प्राथमिकता है कि शासन के किसान हितैषी नीतियों का लाभ केवल पात्र किसानों को मिले। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि जिले में धान खरीदी की पारदर्शिता बनाए रखने तथा केवल पंजीकृत व वास्तविक किसानों से ही धान खरीदी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं आला अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। साथ ही अवैध भंडारण एवं परिवहन पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से मिली खुशहाली

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना बिजली बिल में बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण में महत्व पूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजनांतर्गत लोग अपने घरों में सोलर आधारित सिस्टम इंस्टॉल करवाकर बिजली बिल से राहत पा रहे हैं। जिले के सिलफिली निवासी मनोज विश्वास ने भी अपने घर में सोलर आधारित विद्युत प्रणाली इंस्टॉल करवाकर बिजली बचत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मनोज बताते हैं कि सोलर सिस्टम लगने के बाद न केवल घर की बिजली आवश्यकताएँ पूरी होती हैं बल्कि बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आती है। उन्होंने कहा कि यह योजना आम नागरिकों के लिए बेहद लाभकारी है और इससे ऊर्जा बचत के साथ-साथ आर्थिक राहत भी मिलती है।

उन्होंने शासन एवं प्रशासन के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठाएं, ताकि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने सोलर सिस्टम स्थापित होने से होने वाले लाभ से परिचित करवाते हुए कहा कि इससे बिजली बिल में कमी आती है, घरेलू विद्युत जरूरतों की पूर्ति होती है साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान होता है।

तारकेश्वरपुर में आयोजित करमा नृत्य प्रतियोगिता में प्रेमनगर की टीम रही विजेता

विधायक भूलन बोले- आदिवासी परंपराओं और संस्कृति को आगे बढ़ाने की दिशा में सरकार की सराहनीय पहल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रेमनगर विकासखंड के ग्राम तारकेश्वरपुर में करमा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल ग्राउंड में आयोजित उक्त प्रतियोगिता में जनपद क्षेत्र के विभिन्न गांवों के करमा नर्तक दलों ने उत्साह से भाग लिया। मांदर की थाप पर पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने करमा गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। इन प्रस्तुतियों में जनजातीय संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिली। निर्णायक मंडल ने नृत्य कला, गायन, वाद्ययंत्र, वेशभूषा और लय-ताल के आधार पर प्रतिभागी दलों का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में नगर पंचायत प्रेमनगर की दिल साय मरपाच्ची एवं टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ग्राम पंचायत रिखी की देवसाय एवं साथी की टीम द्वितीय स्थान पर रही, जबकि करमा नर्तक दल गणेशपुर और बकालो ने तृतीय स्थान पाया था,तीसरे स्थान के लिए सिक्का उछाला गया जिसमें गणेशपुर ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को क्रमश: 51 सौ रुपये और मादर और 31 सौ रुपये और मादर के साथ ट्रॉफी प्रदान की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रेमनगर विधायक भुलान सिंह मराबी ने कहा कि करमा त्यौहार का आयोजन आदिवासी परंपराओं और

संस्कृति को आगे बढ़ाने की दिशा में सरकार की एक सराहनीय पहल है।

इस अवसर पर करमा प्रतियोगिता के अध्यक्ष सोनसाय, नेम सिंह, जनपद उपाध्यक्ष पुनिया राजवाड़े, जनपद सदस्य अमीन बाई, भाजपा मण्डल अध्यक्ष मिथिला बंजारा, कंचन श्याम, वीरेंद्र जायसवाल, कविता साहू, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगमोहन सिंह, श्यामपुर के सरपंच धर्म नारायण सिंह रामलाल, ग्राम के उप सरपंच रमेश साहू, पंच फुलेश्वर राजवाड़े, बेला बाई, राजूदन सिंह, सुभाष साहू बसंती,विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच-पंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक नृत्य और सामूहिक उत्सव के साथ हुआ।

विश्व दिव्यांगजन दिवस पर हुआ जिला स्तरीय खेल-कूद, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विश्व दिव्यांगजन दिवस पर जिले के समस्त 06 विकासखण्डों से दिव्यांग छात्र, छात्राओं की उपस्थिति में यहां के कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के क्रीड़ांगन में खेल-कूद, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया।

कलेक्टर एवं जिला मिषन संचालक, समग्र शिक्षा एस. जयवर्धन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजेन्द्र सिंह पाटले के निर्देशन तथा जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा एवं जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू की उपस्थिति में मां सरस्वती के छायाचित्र पर मार्ल्यापण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमे विकासखण्डों के दिव्यांग विशेष आवष्यकता वाले बच्चों ने भाग लिया। आयोजित कार्यक्रम में विकासखण्ड स्तर से चयनित लगभग 100 दिव्यांग बच्चो ने भाग लिया। इस अवसर पर अस्थिबाधित बच्चों के लिए गोला फेक, कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, दृष्टिबाधित बच्चों के लिए मिश्रित मोतियों को अलग-अलग करना, मानसिक मंद बच्चों के लिए 50 मीटर दौड़, सॉफ्ट बाल थ्रो, चित्रकला प्रतियोगिता बालक एवं बालिकाओं के लिए अलग-अलग आयोजन किया गया। इसी प्रकार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में एकल गीत, एकल नृत्य, प्रतियोगिता का आयोजन भी सभी बालक बालिकाओं के लिए किया गया।

आयोजित कार्यक्रमों में क्रमश: गोला फेक, बालक वर्ग में विजय जगत, विकासखण्ड प्रतापपुर, बालिका वर्ग से कुमारी अकांक्षा दास, विकासखण्ड रामानुजनगर, 50 मीटर दौड़, बालक वर्ग में अंकित प्रजापति, विकासखण्ड प्रेमनगर, बालिका वर्ग में कुमारी सरिता सिंह, विकासखण्ड ओड़गी, कुर्सी दौड़ में बालिका वर्ग सरोज राजवाड़े, सूरजपुर, बालक वर्ग में सेवन कुमार, ओड़गी, जलेबी दौड़ में बालिका वर्ग में कुमारी निर्मला राजवाड़े, रामानुजनगर, बालक वर्ग में रूद्र राजवाड़े, ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान पर गोला फेक बालक वर्ग में अंकित प्रजापति, वि.ख. प्रेमनगर, बालिका वर्ग में कुमारी निर्मला राजवाड़े, वि.ख. रामानुजनगर, 50 मीटर दौड़ में बालक वर्ग से घरभरन राजवाड़े, सूरजपुर, बालिका वर्ग से कुमारी निर्मला राजवाड़े, रामानुजनगर, कुर्सी दौड़ में बालिका वर्ग से कुमारी प्रियंका सिंह, प्रेमनगर, बालक वर्ग से अंकित प्रजापति, प्रेमनगर, जलेबी दौड़ में बालिका वर्ग से कुमारी पार्वती राजवाड़े, सूरजपुर, बालक वर्ग से धनेष्वर, सूरजपुर इसी प्रकार इन प्रतियोगिताओं में तृतीय स्थान पर गोला फेक बालक वर्ग पंकज सिंह, ओड़गी, बालिका वर्ग से मायावती सिंह, सूरजपुर, 50 मीटर में बालक वर्ग से रूद्र राजवाड़े, सूरजपुर, बालिका वर्ग में भूमिका काषी, भैयाथान, कुर्सी दौड़ में बालिका वर्ग से भगवंती, भैयाथान, बालक वर्ग से घरभरन राजवाड़े, जलेबी दौड़ बालिका वर्ग से कु. काजल, रामानुजनगर ने स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन एवं पुरस्कार वितरण विश्व दिव्यांगजन दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम, रंगमंच मैदान में महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक, भूलन सिंह मरावी, वन विकास निगम अध्यक्ष, रामसेवक पैकरा हाथों प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र छात्राओं को पुरस्कार तथा सभी प्रतिभागी को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शोभनाथ चौबे, सहा.कार्यक्रम समनव्यक, दिनेश द्विवेदी, सुरविन्द कुमार गुर्जर, मनोज मण्डल, मनोज साहू, बी.आर.सी., सुमन वर्मा, राधानन्दी, विनोद कुमार यादव, रामाकान्त नर्मदा, किशोर मुखर्जी, प्रमोद कुमार टण्डन बी.आर.पी. समावेषी शिक्षा, योगेष चन्द्राकर, कु. नीलम पटेल, अल्फरहा खान स्पेशल एजुकेटर, सहदेव राम रवि, बालेन्द्र साहू, जितेन्द्र साहू, दिनेश साहू, पी. गेन्दले, ईष्वर सिंह, बलराम ठाकुर, सुदर्शन सिंह एवं पंचम राम टोप्पो का कार्य सराहनीय रहा।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-सूरजपुर ,जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

निविदा सूचना क्रमांक 17/व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.ख./2025 सूरजपुर, दिनांक 26.11.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

मुहरबंद निविदायें छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में प्रतिशत दर पर प्रपत्र "अ" पर प्रतिशत दर में छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग छ0ग0 रायपुर के द्वारा दिनांक 01.07.2020 को जारी एस.ओ.आर व निविदा आंमत्रण तिथि तक एस.ओ.आर में हुए समस्त संशोधनों सहित लागू होगी, व लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

समूह क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	जिला सूरजपुर के विकासखण्ड ओड़गी के ग्राम कुदरगढ़ में में माँ बागेश्वरी धाम मेला परिसर में जल वितरण प्रणाली हेतु 40 कि.ली. क्षमता 15 मी. स्टेजिंग के आर. सी. सी. उच्चस्तरीय जलागार एंव पाईप का प्रदाय, बिछाने एंव टेस्टिंग का कार्य समस्त फिटिंग सहित सलंग्न शेड्यूल के अनुसार।	19.05

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि 08.12.2025 है, एंव निविदा की अन्य शर्तें तथा कार्य की विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्त्ता कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
सूरजपुर

जी-252605213/2

विश्व दिव्यांगता दिवस पर दिव्यांग बच्चों के लिए खेल-कूद आयोजित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम.आर. यादव के नेतृत्व जिला मिशन समन्वयक श्री चंद्रभूषण प्रसाद, ए.डी.पी.ओ. श्री ओम प्रकाश गुप्ता एवं ए.पी.सी. श्री विनोद कुमार पटेल के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखण्डों में समावेशी शिक्षा अंतर्गत विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर दिव्यांग बच्चों के लिए जिला स्तरीय विशेष खेल-कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर के खेल मैदान में आयोजित किया गया। दिव्यांग बच्चों के लिए खेल-कूद में कुर्सी दौड़ (अपर लिंब प्रभावित बच्चों हेतु), कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, 100मी. दौड़, 25मी. दौड़ (निर्धारित आवाज/ध्वनि लक्ष्य की ओर), मटकाफोड़, 50मी. दौड़ का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में चित्रकला, रंगोली, मेहंदी, (एकल गीत, एकल नृत्य, समूह गीत, समूह नृत्य) आदि गतिविधियां व्यायाम षिक्षक श्री प्रदीप एक्का एवं अन्य सहयोगी षिक्षकों के माध्यम से कराया गया। कार्यक्रम में कुल 71 दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया तथा 43 षिक्षक/पालक, 10 बी.आर.पी./स्पेशल एजुकेटर उपस्थित थे।

उक्त कार्यक्रम में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानु प्रकाश दीक्षित जी अन्य जनप्रतिनिधिगण , जिला मिशन समन्वयक श्री चंद्रभूषण प्रसाद, ए.डी.पी.ओ. श्री ओम प्रकाश गुप्ता, ए.पी.सी. श्री विनोद पटेल, आनंद प्रकाश गुप्ता, कन्या/बालक उ.मा.वि. के प्राचार्य शिक्षकगण, पालक एवं स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

खनिज विभाग की सख्त कार्रवाई अवैध रेत परिवहन में तीन वाहन जप्त

तहसील पटना क्षेत्र में छापामार कार्रवाई, वाहन मालिकों पर कड़ी धाराओं में प्रकरण दर्ज

खनिज अधिकारी बोले, अभियान निरंतर जारी रहेगा

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिले में अवैध खनन और गौण खनिजों के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग ने अवैध रेत परिवहन कर रहे चालकों पर कार्रवाई किया है। तहसील पटना क्षेत्र में की गई इस कार्रवाई के दौरान रेत का अवैध परिवहन करते पाए गए तीन वाहनों को मौके पर ही जप्त किया गया। गश्त के दौरान जब्त किए गए वाहनों को तत्काल प्रभाव से कब्जे में लेकर पटना थाना में अभिरक्षा में रखा गया है। सोल्ड स्वराज ट्रैक्टर-वाहन चालक मौके से फरार हो गया जबकि सोल्ड महिंद्रा वाहन के मालिक मुक्कू तथा सोल्ड स्वराज वाहन के मालिक जय प्रकाश साहू के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए नियमित निरीक्षण और कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

प्राकृतिक आपदा में जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन हेतु 04 लाख की राशि स्वीकृत

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने प्राकृतिक आपदा में जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन को आर.बी.सी. 6-4 के तहत् 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृत दी है। बागबहार तहसील अंतर्गत ग्राम पीठा अम्बा निवासी स्व. संतोष यादव का आकाशीय बिजली से 13 जुलाई 2025 को मृत्यु हो गई। मृतक के निकटतम वारिस उनके पत्नी स्वास्ति यादव हेतु 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

11 दिसंबर तक कोरिया में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान तेज

कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने की नागरिकों से सक्रिय सहयोग की अपील, 18 वर्ष पूर्ण करने वालों के लिए सुनहरा अवसर

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराया जा रहा है। आयोग द्वारा पूर्व में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रमों की तिथियों में संशोधन करते हुए समय-सीमा बढ़ाकर नवीन संशोधित तिथि जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की शुरुआत 4 नवंबर 2025 से हो चुकी है। इसी क्रम में कोरिया जिले में भी यह अभियान तेज गति से जारी है। जिले के सभी मतदान केंद्रों में नियुक्त बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का विवरण अद्यतन हो सके।

भारत निर्वाचन आयोग ने इस विशेष पुनरीक्षण के लिए 1 जनवरी 2026 को अर्हता तिथि के रूप में निर्धारित किया है। इससे 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं के लिए मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने का सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। संशोधित तिथि के अनुसार मतदाताओं से गणना पत्रक प्राप्त करने की तिथि 4 दिसंबर से बढ़ाकर 11 दिसंबर तक किया गया है। मतदाता सूची का प्रारंभिक (प्रारूप) प्रकाशन 16 दिसंबर को किया जाएगा और इसी के साथ दावा आपत्ति प्राप्त करने की कार्यवाही भी शुरू हो जाएगी। दावा आपत्तियां प्राप्त करने की तिथि 16 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक निर्धारित किया गया है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी को किया जाएगा। ऑफलाइन, बीएलओ के माध्यम से फॉर्म भरकर जमा करें, ऑनलाइन के तहत ECINET मोबाइल ऐप अथवा voters.eci.gov.in वेबसाइट पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। किसी भी समस्या के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन 1950 उपलब्ध है। ECINET ऐप में बुक ए कॉल विथ बीएलओ फीचर से सीधे बीएलओ से संपर्क की सुविधा।जिला एवं तहसील स्तर पर हेल्प डेस्क और आईटी डेस्क कार्यालय समय में सहायता के लिए सक्रिय हैं।

कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने की अपील

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिले के नागरिकों से पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह अभियान मतदाता सूची को अधिक सटीक, त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने का महत्वपूर्ण कदम है, इसलिए सभी पात्र नागरिक अपने नाम और विवरण का अनिवार्य रूप से सत्यापन करें। कलेक्टर ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में प्रत्येक नागरिक महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी पात्र व्य नाम का पंजीकरण अवश्य कराएं और मतदाता सूची को सशक्त बनाने में योगदान दें।

छिंदिया धान खरीदी केंद्र में बड़ी कार्रवाई, 254 बोरी अवैध धान जब्त

24 बोरी धान केंद्र के अंदर फड़ में पाया गया, तहसीलदार व विभागीय टीम ने मौके पर की जांच, पूरा स्टॉक सीलबंद कर सुपुर्दगी में दिया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिले में अवैध धान परिवहन और जमाखोरी पर जिला प्रशासन की सतत निगरानी के बीच धान खरीदी केंद्र छिंदिया में बड़ी कार्रवाई की गई। केंद्र में नीरज कुशवाहा द्वारा धान की बोरी फड़ के अंदर लाते हुए पाए जाने पर तत्काल जांच की गई। मौके पर पहुंचे तहसीलदार पटना, सहायक पंजीयक, खाद्य निरीक्षक पटना तथा खाद्य एवं राजस्व विभाग के अधिकारी द्वारा विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान नीरज कुशवाहा का कथन लिया गया, जिसमें महत्वपूर्ण खुलासा हुआ कि खरीदी केंद्र के पास स्थित सोनसाय के मकान में कुल 254 बोरी धान रखा गया था। इनमें से 24 बोरी धान को श्री नीरज कुशवाहा द्वारा केंद्र में खरीदे गए धान के स्टैक में मिलाया गया था। शेष 230 बोरी धान वही मकान में भंडारित पाया गया। जांच दल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी 254 बोरी धान को जब्त कर सीलबंद कर दिया तथा इसे धान खरीदी केंद्र छिंदिया के खरीदी प्रभारी रवि कुमार साहू की सुपुर्दगी में सौंपा गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता, फर्जी बिक्री या अवैध संचयन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिले में ऐसे मामलों पर कड़ी निगरानी और सतत कार्रवाई जारी रहेगी।

जेल परिरूद्ध बंदियों के लिए लगाया गया एड्स जागरूकता शिविर

बैकुंठपुर। जिला जेल बैकुण्ठपुर में विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा के अवसर पर जेल प्रशासन बैकुण्ठपुर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बैकुण्ठपुर के मार्गदर्शन में जेल परिरूद्ध बंदियों के लिए एच.आई.व्ही., एड्स से सबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया साथ ही स्वास्थ्या परिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर के चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ0 योगेन्द्र चौहान, डॉ0 बलवंत सिंह एवं डॉ0 रामकृष्ण यादव के द्वारा जेल के 47 बंदियों को स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

वनभूमि से हटाये गये अतिक्रमणकारी ने कहा पचास हजार में खरीदा था जमीन

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। खड़गवां वन परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रतनपुर में वनभूमि से वन विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई थी। पंचनामा बयान में पंचों के सामने एक अतिक्रमणकारी ने कहा कि वह कोरिया जिला का रहने वाला है वह अपने ससुराल कोडांगी में रहकर काम रहा था। कुछ दिन के बाद रतनपुर निवासी एक व्यक्ति से उसकी पहचान हुई। उस व्यक्ति ने उसे किसी अन्य भूमि का पट्टा दिखाकर वन भूमि का पट्टा बताकर जमीन को पचास हजार रुपए बेंच दिया। उक्त व्यक्ति

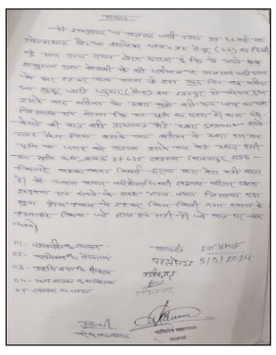

जमीन पर अपना पक्का मकान बना लिया। जबकि उक्त भूमि वन विभाग की थी वन विभाग द्वारा कोई पट्टा जारी नहीं किया गया था वह भूमि वृक्षारोपण के लिए आरक्षित है। वन विभाग वृक्षारोपण कार्य के लिए उक्त भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस दिया था। अतिक्रमण न हटाने पर वन विभाग ने उक्त वन भूमि पर से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की है। जो कार्यवाही अब राजनीतिक रूप लेकर सियासत का अखाड़ा बन गई है। बताया जा रहा है कि वन विभाग के द्वारा अतिक्रमण हटाए जाने की कार्रवाई भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 80 (अ) के तहत की गई है, क्योंकि यह भूमि आरक्षित वनक्षेत्र के कक्ष क्रमांक-635 की वृक्षारोपण वाली वनभूमि थी, जिसकी खरीद-बिक्री अवैध है ।

आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करने कलेक्टोरेट स्टाफ को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग

आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति, पोर्टल पर सेल्फ रजिस्ट्रेशन, मोबाइल ऐप इंस्टॉल और उपस्थिति प्रक्रिया का विस्तार से प्रशिक्षण

कलेक्टर का रजिस्ट्रेशन कर नई व्यवस्था की हुई शुरुआत

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। राज्य सरकार के निर्देशानुसार समस्त शासकीय कार्यालयों में आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू किए जाने हेतु कलेक्टर कार्यालय कोरिया में कार्यरत सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को सेल्फ रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया cggad.attendance.gov.in पोर्टल का उपयोग,-मोबाइल एप्लीकेशन आधारबेस एवं आधार फेसरेड की इंस्टॉलेशन और संचालन का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। नियुक्त नोडल अधिकारी के माध्यम से पोर्टल पर लॉग-इन कर सेल्फ रजिस्ट्रेशन हेतु आए हुए यूज़र्स को एक्टिवेट किया गया, जिसके बाद वे आधार-सक्षम प्रणाली से अपनी उपस्थिति दर्ज करने में सक्षम हो गए। ट्रेनिंग के दौरान संपूर्ण प्रक्रिया कर्मचारियों को इस प्रकार समझाई गई कि भविष्य में किसी भी प्रकार की तकनीकी कठिनाई न आए। इस अवसर पर सबसे पहले जिले की कलेक्टर का पोर्टल पर सेल्फ रजिस्ट्रेशन किया गया और नई प्रणाली के माध्यम से उनकी उपस्थिति दर्ज कराते हुए इस व्यवस्था का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार कलेक्टोरेट के सभी कर्मचारियों को इस नई प्रक्रिया की विस्तृत ट्रेनिंग दी गई, ताकि आगे से प्रत्येक कर्मचारी इसी पद्धति से अपनी उपस्थिति दर्ज कर सके। यह प्रशिक्षण जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सुखदेव पटेल द्वारा प्रदान किया गया। प्रशासन का मानना है कि आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और तकनीकी रूप से सक्षम बनेगी।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत जिले में एक गांव बनेगा मॉडल सोलर विलेज

जशपुरनगर। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत जिले में एक ग्राम को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। जिला स्तरीय चयन समिति के अध्यक्ष कलेक्टर रोहित व्यास के नेतृत्व में गांव के चयन की प्रक्रिया औपचारिक तौर पर प्रारंभ हो गई है। भारत सरकार द्वारा जारी अद्यतन दिशा-निर्देशों के अनुसार अब नवीन जनगणना के आधार पर ऐसे राजस्व ग्रामों का चयन किया जाना आवश्यक है जिनकी आबादी 5,000 से अधिक हो। जिले में 5,000 से अधिक आबादी वाले ग्रामों की संख्या 10 से कम होने के कारण जिला स्तरीय समिति द्वारा जिले के प्रथम 10 सर्वाधिक आबादी वाले ग्रामों के मध्य छह माह की प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया आयोजित की जा रही है।

एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ के साथ हुई दुर्व्यवहार पर सरपंच पति ने एसडीएम कार्यालय जाकर मांगी माफी

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। ग्राम पंचायत बिछियाटोला में 29 नवंबर 2025 को आयोजित ग्राम सभा के दौरान SIR कार्य में लगे बीएलओ और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सुष्मिता तिवारी के साथ सरपंच पति दीप नारायण द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने का मामला अब प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है। ग्राम सभा में बाल विवाह मुक्त शपथ कार्यक्रम को लेकर सुष्मिता तिवारी सरपंच श्रीमती सोनकुंवर से औपचारिक चर्चा कर रही थीं, तभी सरपंच पति ने बीच में दखल देते हुए न सिर्फ सभा की प्रक्रिया में बाधा डाली, बल्कि दुर्व्यवहार कर सभा की गरिमा को ठेस पहुंचाई।

इससे पूर्व भी भारत निर्वाचन आयोग के तहत संचालित SIR पंचनामा कार्य के दौरान सरपंच सोनकुंवर को हस्ताक्षर करने से रोकने का मामला सामने आ चुका है। शिकायत के बाद केल्हारी तहसीलदार सतरूपा साहू ने हस्तक्षेप करते हुए सरपंच पति को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया था कि SIR प्रक्रिया में सरपंच द्वारा हस्ताक्षर पंचनामा कराना पूरी तरह अनिवार्य है तथा कोई भी व्यक्ति शासकीय कार्य में अनधिकृत रूप से बाधा पैदा नहीं कर सकता। SIR कार्य में लगे बीएलओ एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ अभद्रता किए जाने के बाद सरपंच पति दीप नारायण ने अनुविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय केल्हारी में उपस्थित होकर एसडीएम श्रीमती इंद्रा मिश्रा के समक्ष अपने व्यवहार के लिए मौखिक और लिखीत रूप से माफी मांगी। एसडीएम इंद्रा मिश्रा ने माफी स्वीकार करते हुए सख्त चेतावनी दी कि शासकीय कार्य में लगे किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार, अवरोध या दबाव डालने जैसी घटनाओं को प्रशासन गंभीर अपराध की श्रेणी में मानता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भविष्य में इस प्रकार की किसी भी घटना के दोहराव पर प्रशासन द्वारा कठोर और तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

वाटरशेड महोत्सव - जल संचयन पर रील बनाओ, इनाम पाओ प्रतियोगिता

जशपुरनगर। भारत सरकार भूमि संसाधन विभाग द्वारा राज्य शासन के सहयोग से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना दृ जलग्रहण विकास घटक अंतर्गत वाटरशेड महोत्सव का आयोजन 19 नवंबर से 19 दिसंबर 2025 तक किया जा रहा है। राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में आयोजित इस महोत्सव के तहत जशपुर जिले में परियोजना स्तर पर श्रमदान, लोकार्पण, भूमिपूजन, जागरूकता कार्यक्रमों के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। वाटरशेड महोत्सव के अंतर्गत राज्य स्तरीय सोशल मीडिया प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में चार रील विजेताओं को 50-50 हजार रुपये तथा 100 फोटोग्राफी विजेताओं को 1-1 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। चार विजेता रीलों में से तीन रीलें जल संचयन से संबंधित परियोजना क्षेत्र में निर्मित संरचनाओं पर आधारित होंगी।

7 दिसंबर को आयोजित शिक्षार्थी आंकलन के सफल आयोजन के लिए तैयारी सम्पन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कलेक्टर एवं अध्यक्ष कार्यकारिणी जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं उपाध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 7 दिसंबर 2025 को आयोजित शिक्षार्थी आंकलन के सफल क्रियान्वयन हेतु विकासखण्ड वैकुण्ठपुर एवं सोनहत में कुल 303 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है।

उल्लास साक्षरता केन्द्र में अध्ययन अध्यापन कार्य 200 घंटे पूर्ण कर चुके शिक्षार्थी जिनकी कुल संख्या 7049 है जिनकी परीक्षा 7 दिसंबर को प्रात: 10 बजे से 5 बजे तक

आयोजित किया जाएगा। जिसमें कुल परीक्षा केन्द्र 303 बनाए गए है। 303 केन्द्राध्यक्ष, 171 पर्यवेक्षक सह मूल्यांकर्ता, जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर परीक्षा केन्द्रों का मॉनिटरिंग करने हेतु आदेश, कंट्रोल रूम प्रभारियों की नियुक्ति किया जा चुका है। कलेक्टर एवं अध्यक्ष कार्यकारिणी जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के द्वारा प्रचार-प्रसार, घर-घर संपर्क, कोटवार द्वारा मुनादी कराएं जाने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही कलेक्टर के द्वारा अपील पेम्पलेट जनप्रतिनिधियों के द्वारा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में प्रसारित किया गया। धान उपार्जन केन्द्रों में फ्लैक्स लगाए गए केन्द्रों में प्रकाश की समुचित व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, पेयजल व आने एवं जाने में सुगमता हो ऐसे केंद्रों का चिन्हांकन किया जाकर शत-प्रतिशत शिक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्रों तक लाने हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा